Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 207
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार,25 फरवरी 2026

# मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 नाती-बहू में मारपीट, बचाव करने गए बुजुर्ग की सिर | 4 मां-बाप के लिए बना दें पेरेंट्स डे को यादगार | 7 इंडिया में परफॉर्म करने के लिए तैयार शकीरा

## सिंगापुर दौरे के दूसरे दिन सीएम योगी को बड़ी सफलता

# जेवर एयरपोर्ट पर दो प्रोजेक्ट्स में 4,458 करोड़ निवेश की मंजूरी

### एआई सैट्स ने यूपी सरकार के साथ किया एमओयू

**सिंगापुर/लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश सरकार ने विमानन सेवा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एआई सैट्स (एआईएसएटीएस) के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत कंपनी गौतमबुद्ध नगर स्थित जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो प्रमुख परियोजनाएं स्थापित करेगी। इन परियोजनाओं में एक अत्याधुनिक कार्गो परिसर और दूसरी विश्वस्तरीय एयर कैटरिंग किचन (विमान यात्राओं के लिए भोजन उपलब्ध कराने वाली रसोई) शामिल है। इन दोनों परियोजनाओं पर एआई सैट्स 4,458 करोड़ रुपये निवेश करेगी।

### जेवर एयरपोर्ट बनेगा नॉर्थ इंडिया का कार्गो हब

यहां जारी एक बयान के मुताबिक, समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, एआई सैट्स जेवर हवाई अड्डा परिसर में एक अत्याधुनिक कार्गो परिसर का निर्माण करेगी। यह परिसर न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए हवाई मार्ग से ढुलाई और लॉजिस्टिक्स का प्रमुख केंद्र बनेगा। इस परियोजना से निर्यात-आयात गतिविधियों को गति मिलेगी, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, कृषि उत्पाद जैसे क्षेत्रों को बड़ा लाभ होगा। जेवर हवाई अड्डे एयरपोर्ट को मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के साथ विकसित किया जा रहा है, जिससे यह परिसर अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए एक रणनीतिक केंद्र के रूप में उभरेगा। एमओयू के तहत दूसरा प्रमुख निवेश नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ही एक अत्याधुनिक विश्वस्तरीय एयर कैटरिंग किचन की स्थापना पर किया जाएगा। यहां नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से संचालित होने वाली उड़ानों के लिए उच्च गुणवत्ता वाला भोजन उपलब्ध कराएगा। विशेष बात यह है कि यहां तैयार किया गया भोजन केवल जेवर हवाई अड्डे तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी आपूर्ति पूरे उत्तर भारत के विभिन्न हवाई अड्डों पर भी की जाएगी। इससे क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण और आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क को मजबूती मिलेगी तथा हजारों प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री के सिंगापुर दौरे का उद्देश्य वैश्विक निवेशकों को उत्तर प्रदेश की संभावनाओं से जोड़ना है। दूसरे दिन हुए इस एमओयू को राज्य के विमानन, लॉजिस्टिक्स और सेवा क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। जेवर हवाई अड्डे के चालू होने के साथ ही यह कार्गो परिसर और रसोई सुविधा उत्तर भारत के आर्थिक परिदृश्य को नई दिशा देगी और प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर और मजबूत स्थिति में स्थापित करेगी।

# पीएम मोदी के नेतृत्व में सेवा तीर्थ से शासन के नए युग की शुरूआत

## कैबिनेट ने देशवासियों की सेवा का लिया संकल्प

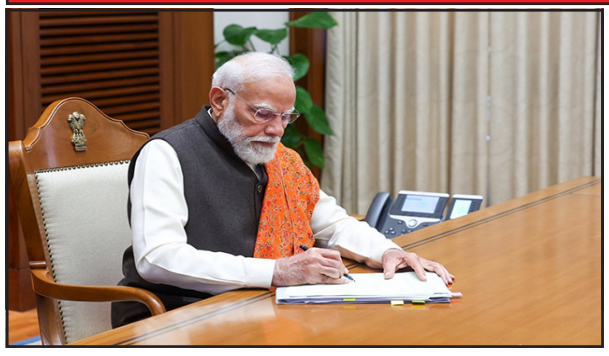



**नईदिल्ली।** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नये प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) परिसर में अपनी पहली बैठक में यह संकल्प लिया कि सेवा तीर्थ में लिया गया हर निर्णय 140 करोड़ देशवासियों के प्रति सेवा-भाव से प्रेरित होगा और राष्ट्र-निर्माण के व्यापक लक्ष्य से जुड़ा होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में, यह संकल्प भी लिया गया कि संवैधानिक मूल्य उस नैतिक प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है, जो शासन को नागरिक की गरिमा, समानता और न्याय से जोड़ती है। सेवा तीर्थ की कार्य-संस्कृति में यही भावना निहित होगी, जहां हर नीति संविधान की मूल भावना के अनुरूप होगी और हर निर्णय देशवासियों की आकांक्षाओं के प्रति उत्तरदायी होगा। यह बैठक एवं यह भवन नये भारत के नवनिर्माण की एक स्पष्ट अभिव्यक्ति है। एक बयान के मुताबित, इस शुरूआत के साथ, हम उस भविष्य का स्वागत कर रहे हैं, जिसके निर्माण में सदियों का श्रम लगा है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) साउथ ब्लॉक में इतने दशकों तक सरकारों ने विरासत को संभाला और भविष्य के सपने देखे। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कहा कि सेवा तीर्थ नए भारत के नवनिर्माण की प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति है। आजादी के बाद दशकों तक साउथ ब्लॉक से संचालित शासन व्यवस्था के बाद यह परिसर स्वदेशी सोच, आधुनिक स्वरूप और अनंत सामर्थ्य वाले भारत की संकल्पना को मूर्त रूप देता है।

## सार संक्षेप

### पश्चिम बंगाल में अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी से न्यायिक कार्य बाधित

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में मंगलवार को कई अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद संबंधित परिसरों में बड़े पैमाने पर निकासी और तलाशी अभियान चलाना पड़ा जिससे न्यायिक कामकाज बाधित हुआ। अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता की सत्र अदालत, बैंकशाल स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय और पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल तथा दुर्गापुर में उप-संभागीय अदालतों को मंगलवार सुबह ईमेल पर बम से उड़ाने की धमकी मिली। हालांकि उन्होंने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान अदालत परिसरों में कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोलकाता की सत्र अदालत और बैंकशाल स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय के परिसरों को खाली करा लिया गया जिसके बाद कोलकाता पुलिस के बम निरोधक दस्ते के कर्मियों ने खोजी कुत्तों के साथ वहां गहन जांच की। उन्होंने बताया कि राज्य की अन्य अदालतों के परिसरों में भी इसी तरह के कदम उठाए गए। यह पूछे जाने पर कि क्या अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी का न्यायिक अधिकारियों द्वारा किए जा रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी कामकाज से कोई लेना-देना है, मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा कि जांच करना और दोषियों का पता लगाना राज्य पुलिस का काम है।

### मामूली गिरावट के साथ खुले शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी को नुकसान

**मुंबई।** घरेलू शेयर बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में मंगलवार को शुरूआती कारोबार में करीब एक प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। कारोबारियों के अनुसार, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शुल्क संबंधी हालिया टिप्पणियों के बाद वैश्विक व्यापार को लेकर नई चिंताओं ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 813.13 अंक या 0.97 प्रतिशत टूटकर 82,481.53 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 230.15 अंक या 0.89 प्रतिशत फिसलकर 25,482.85 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इटर्नल का शेयर सबसे अधिक 3.82 प्रतिशत टूटा। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, ट्रेंट, अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी और टाइटन के शेयर में भी गिरावट दर्ज की गई।

## मोदी कैबिनेट ने दी नाम बदलने की मंजूरी

# केरलम के नाम से जाना जाएगा केरल !

**नई दिल्ली।** केंद्रीय कैबिनेट ने राज्य केरल का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय राज्य सरकार के अनुरोध और विधानसभा के प्रस्ताव के आधार पर लिया गया है। सरकार के अनुसार, केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति अब केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को केरल की राज्य विधानसभा के पास उसकी राय जानने के लिए भेजेंगे। यह प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद 3 के प्रावधानों के तहत पूरी की जाएगी। राज्य विधानसभा से प्राप्त सुझावों और विचारों के बाद भारत सरकार आगे की कार्रवाई करेगी। इसके पश्चात राष्ट्रपति की सिफारिश लेकर केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 को संसद में पेश किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, 'जब से भाषा के आधार पर राज्य का निर्माण हुआ, तब से इसकी मांग थी कि केरल का नाम केरलम होना चाहिए। इस मांग को कैबिनेट ने मंजूरी दी है।' यह कदम राज्य में इस साल होने वाले केरल विधानसभा चुनाव से पहले उठाया गया है। दरअसल, केरल विधानसभा ने 24 जून 2024 को एक प्रस्ताव पारित कर राज्य का नाम केरल से बदलकर केरलम करने की सिफारिश की थी। इसके बाद केरल सरकार ने भारत सरकार से संविधान की प्रथम अनुसूची में संशोधन कर नाम परिवर्तन करने का औपचारिक अनुरोध किया था। यदि संसद इस विधेयक को पारित कर देती है, तो आधिकारिक रूप से राज्य का नाम केरलम हो जाएगा। श्रीनगर हवाई अड्डे पर 1,677 करोड़ रुपये के सिविल एन्क्लेव के विकास को मिली मंजूरी केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को श्रीनगर हवाई अड्डे पर 1,677 करोड़ रुपये की लागत से 'सिविल एन्क्लेव' बनाने को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सिविल एन्क्लेव परियोजना 73.18 एकड़ में फैली होगी और नया टर्मिनल भवन 71,500 वर्ग मीटर में बनेगा। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में परियोजना के लिए मंजूरी की घोषणा की। इस परियोजना की अनुमानित लागत 1,677 करोड़ रुपये है। नई टर्मिनल इमारत को इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि यह व्यस्त समय में 2,900 यात्रियों को संभाल सके और इसकी वार्षिक क्षमता एक करोड़ यात्रियों की होगी। सरकार ने यह भी कहा कि इस परियोजना से रोजगार के अवसर पैदा होने और निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

## नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वाले ऑर्केस्ट्रा बार के लाइसेंस रद्द किए जाएंगे: फडणवीस

**मुंबई।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि नियमों का बार-बार उल्लंघन करने पर ऑर्केस्ट्रा बार के लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे और इस संबंध में जल्द ही कानून में संशोधन किया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने डांस बार पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून बनाया था लेकिन उच्चतम न्यायालय ने उक्त कानून को संविधान के विरुद्ध करार देते हुए रद्द कर दिया था। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान इस मुद्दे पर चल रही चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि संबंधित कानून में बदलाव किया गया था जिसके तहत बार को ऑर्केस्ट्रा लाइसेंस देने का प्रावधान किया गया था। फडणवीस ने कहा, अदालत ने महिलाओं को बार में काम करने की अनुमति दी और हमने नियमों में संशोधन करके उन्हें और सख्त बना दिया। लेकिन फिर भी पनवेल (नवी मुंबई) जैसे इलाकों में उल्लंघन की शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने कहा, नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के अनुसार हम तीन से चार बार उल्लंघन के मामलों की सुनवाई करेंगे और उन पर कार्रवाई करेंगेय बार-बार उल्लंघन करने पर ऑर्केस्ट्रा बार के लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिए जाएंगे। इस संबंध में जल्द ही एक संशोधन पेश किया जाएगा। यह संशोधन इसी सत्र में पेश किया जाएगा या अगले विधायी सत्र में। फडणवीस ने कहा कि सरकार डांस बार को पूरी तरह से बंद करना चाहती थी लेकिन ऐसा नहीं किया जा सका, क्योंकि डांस बार के मालिक ऑर्केस्ट्रा लाइसेंस की मांग कर रहे थे। उन्होंने कहा, श्हमने सख्त नियमों के साथ ऑर्केस्ट्रा के लिये अनुमति दी थी लेकिन शिकायतें आ रही हैं।

## पीएम मोदी के इस्त्राइल दौरे को लेकर कांग्रेस का आरोप, फलस्तीनियों को बेसहारा छोड़ दिया गया है

**नईदिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित इस्त्राइल दौरे से पहले कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने फिलिस्तीनियों को बेसहारा छोड़ दिया है और इस संवेदनशील समय में इस्त्राइल की यात्रा करना भारत की पारंपरिक विदेश नीति के विपरीत है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सरकार फिलिस्तीन के समर्थन की बात तो करती है, लेकिन व्यवहार में उसका रुख दिखावटी और पाखंडपूर्णह्व है। प्रधानमंत्री मोदी 25 फरवरी को दो दिवसीय यात्रा पर इस्त्राइल पहुंचेंगे। इस दौरान वे इस्त्राइली संसद नेसट को संबोधित करेंगे और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू तथा राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग से मुलाकात करेंगे। लेकिन कांग्रेस का कहना है कि यह दौरा ऐसे



समय में हो रहा है जब गाजा और वेस्ट बैंक की स्थिति अत्यंत गंभीर है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा कि गाजा में नागरिकों पर इस्त्राइली हमले जारी हैं और वेस्ट बैंक में हजारों फिलिस्तीनियों को बेदखल और विस्थापित किए जाने की खबरें सामने आ रही हैं। उन्होंने दावा किया कि इन कार्रवाइयों की वैश्विक स्तर पर निंदा हो रही है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि इस्त्राइल और अमेरिका ईरान पर संभावित हवाई हमलों की योजना बना रहे हैं, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ सकता है। उनके अनुसार, ऐसे समय में भारत के प्रधानमंत्री का इस्त्राइल दौरा करना कई सवाल खड़े करता है। जयराम रमेश ने अपने बयान में प्रधानमंत्री मोदी और इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के व्यक्तिगत संबंधों का भी उल्लेख किया।

## युवा कांग्रेस कार्यकताओं की गिरफ्तारी पर भड़के राहुल गाँधी, बताया तानाशाही, पार्टी निडर युवाओं के साथ खड़ी

**नईदिल्ली।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एआई शिखर सम्मेलन के दौरान यहां भारतमंडपम में विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में युवा कांग्रेस कार्यकताओं की गिरफ्तारी को तानाशाही करार देते हुए मंगलवार को कहा कि पार्टी युवा निडर साथियों के साथ मजबूती से खड़ी है। गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा शांतिपूर्ण विरोध हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। यह हमारे खून में है और हर भारतीय का लोकतांत्रिक अधिकार है। मुझे युवा कांग्रेस के अपने बब्बर शेर



साथियों पर गर्व है, जिन्होंने समझौतावादी प्रधानमंत्री के खिलाफ निडर होकर देश के हित में आवाज उठाई है। अमेरिका के साथ हुए व्यापार संझौते में देश के हितों से समझौता किया गया है। यह समझौता हमारे किसानों और कपड़ा उद्योग को नुकसान पहुंचाएगा तथा हमारे डेटा को अमेरिका के हाथों में सौंप देगा। इस सच्चाई को देश के सामने रखने के लिए युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब और युवा संगठन के अन्य साथियों की गिरफ्तारी तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी और मैं अपने बब्बर शेर साथियों के साथ मजबूती से खड़े हैं। सत्ता को सच का आईना दिखाना अपराध नहीं, देशभक्ति है। डरो मत-सच और संविधान हमारे साथ हैं। उन्होंने दोहराया कि शांतिपूर्ण विरोध भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है और इसे दबाने की हर कोशिश का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब दिया जाएगा। गिरफ्तार युवाओं ने कोई गलत काम नहीं किया है और संविधान उन्हें न्याय देगा।

## छत्तीसगढ़ विधानसभा में 2026-27 के लिए 1.72 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश, किसानों के लिए बड़ी घोषणाएं

रायपुर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने मंगलवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1.72 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह बजट संकल्प (एसएएनकेएएलपी) विषयवस्तु पर आधारित है, जिसमें समावेशी विकास एवं अवसंरचना को तेज करना और निवेश को बढ़ावा देना शामिल है। वर्ष 2023 में सत्ता में आई भाजपा के नेतृत्व वाली विष्णु देव साय सरकार का यह तीसरा बजट है। सरकार का पहला बजट ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) विषयवस्तु पर आधारित था, जबकि पिछले साल यह गति (सुशासन, अवसंरचना को तेज करना, प्रौद्योगिकी और आद्योगिक विकास) पर केंद्रित था। राज्य सरकार ने भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के लिए 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इस योजना के तहत भूमिहीन श्रमिकों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कृषक उन्नति योजना के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में राज्य में 437 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई, जो किसानों के हित में सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह आंकड़ा राज्य की कृषि उत्पादन क्षमता और समर्थन मूल्य नीति की सफलता को भी दशार्ता है। सिंचाई सुविधा को सुदृढ़ करने के लिए निशुल्क पंप योजना हेतु 5500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों को बिजली आधारित सिंचाई साधनों का लाभ मिलेगा और खेती की लागत में कमी आएगी।

## बिहार विधानसभा में लाठीचार्ज के मुद्दे पर विपक्ष का जोरदार हंगामा

# भड़के सीएम नीतीश, कहा, बेकार की बातें मत कीजिए...





पटना बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को विधानसभा में हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों पर नाराजगी जताई। हालांकि बोलते समय उनके शब्द बीच-बीच में थोड़े उलझे, लेकिन उन्होंने अपना तेवर बनाए रखा। मुख्यमंत्री के प्रतिकार के बाद विपक्षी विधायक सदन में आसन के समक्ष आ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। मुख्यमंत्री ने कहा, बेकार की बातें मत कीजिए। मैं आप सबकी बातें बैठकर सुनता रहता हूं। क्या यही तरीका है? आप लोगों की संख्या कितनी कम हो गई है। आपके साथ कितने लोग हैं? हम 202 हैं। आपकेसाथ कितनेहैं? चुपचाप बैठ जाइए। उनका आशय राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 202 विधायकों से था। विपक्षी सदस्य शांत नहीं हुए और अपनी-अपनी सीटों से नारेबाजी करने लगे, जिस पर मुख्यमंत्री का धैर्य खत्म हो गया। उन्होंने कहा, आप लोग जो कर रहे हैं वह ठीक नहीं है। क्या आपकी सरकार ने कभी कोई काम किया? आप लोगों ने कुछ नहीं किया। हमने सब कुछ किया। हमारी सरकार ने इतना काम किया, इतना अच्छा काम किया। पहले शाम के बाद कोई घर से निकलने की हिम्मत नहीं करता था। इस बीच विपक्षी सदस्य सरकार के खिलाफ नारे लगाते रहे। प्रश्नकाल की शुरूआत में विपक्ष ने सोमवार को पटना में श्चौकीदारोंश और दफादारों (ग्राम प्रहरियों) पर कथित लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया था। वे राज्य सरकार द्वारा उनकी भर्ती की उस मौजूदा पद्धति में बदलाव के फैसले के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे, जो ब्रिटिश काल से चली आ रही है और जिसके तहत यह नौकरी एक ही परिवार में पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होती रही है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक कुमार सर्वजीत ने कथित बल प्रयोग का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, ष्चौकीदार और दफादार अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उन्हें बर्बरता से पीटा गया। क्या उन्हें लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने का अधिकार नहीं है? और उन्हें पीटने वाले पुलिस के ही लोग थे। हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों पर विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार की अपीलों का कोई असर नहीं पड़ा और प्रश्नकाल के दौरान विधायकों द्वारा पूछे जाने वाले सवाल बाधित हुए। स्थिति को देखते हुए जल संसाधन विभाग के मंत्री और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने अध्यक्ष प्रेम कुमार से सरकार की ओर से जवाब देने की अनुमति मांगी। उन्होंने कहा, लोगों को शांतिपूर्ण विरोध करने का अधिकार है, लेकिन वे सार्वजनिक जीवन को बाधित नहीं कर सकते और न ही हिंसा व आगजनी में शामिल हो सकते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने चौकीदारों और दफादारों के कल्याण के लिए ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।

# वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 08, एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व पर यात्रियों की सुविधा हेतु 05064/05063 गोमतीनगर-मालतीपाटपुर-गोमतीनगर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी वाया गोरखपुर का संचलन गोमतीनगर से 26 फरवरी से 26 मार्च, 2026 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को तथा मालतीपाटपुर से 28 फरवरी से 28 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शनिवार को 05 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा।05064 गोमतीनगर-मालतीपाटपुर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 26 फरवरी से 26 मार्च, 2026 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को गोमतीनगर से 18.55 बजे प्रस्थान कर गोंडा से 20.55 बजे, बस्ती से 22.22 बजे, दूसरे दिन गोरखपुर से 00.15 बजे, देवरिया सदर से 01.20 बजे, मऊ से 03.00 बजे, औंड़िहार से 04.08 बजे, जौनपुर से 05.30 बजे, वाराणसी से 07.20 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं. से 08.20 बजे, सासाराम से 09.26 बजे, डेहरी ऑन सोन से 09.42 बजे, गया से 11.00 बजे, कोडरमा से 12.16 बजे, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस गोमो से 13.30 बजे, भोजूडीह से 14.32 बजे, आद्रा जं. से 15.20 बजे, बाँकुड़ा से 16.27 बजे, बिष्णुपुर से 17.02 बजे, मेदिनीपुर से 18.20 बजे, हिजली से 19.10 बजे, बालेश्वर से 21.00 बजे, भद्रक से 23.35 बजे, जाजपुर केन्द्रुझर रोड से 00.07 बजे, तीसरे दिन कटक से 01.02 बजे, भुवनेश्वर से 01.45 बजे, खोरधा रोड से 02.05 बजे छूटकर मालतीपाटपुर 03.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05063 मालतीपाटपुर-गोमतीनगर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 28 फरवरी से 28 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शनिवार को मालतीपाटपुर से 11.15 बजे प्रस्थान कर खोरधा रोड से 12.50 बजे, भुवनेश्वर से 13.25 बजे, कटक से 14.10 बजे, जाजपुर केन्द्रुझर रोड से 14.52 बजे, भद्रक से 15..15 बजे, बालेश्वर से 16.15 बजे, हिजली से 18.15 बजे, मेदिनीपुर से 20.02 बजे, बिष्णुपुर से 21.30 बजे, बाँकुड़ा से 22.00 बजे, आद्रा जं. से 23.20 बजे, दूसरे दिन भोजूडीह से 00.27 बजे, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस गोमो से 01.25 बजे, कोडरमा से 02.20 बजे, गया से 04.00 बजे, डेहरी ऑन सोन से 05.00 बजे, सासाराम से 05.14 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं. से 07.05 बजे, वाराणसी से 08.10 बजे, जौनपुर से 09.50 बजे, औंड़िहार से 10.58 बजे, मऊ से 12.10 बजे, देवरिया सदर से 13.48 बजे, गोरखपुर से 15.00 बजे, बस्ती से 16.04 बजे तथा गोंडा से 17.35 बजे छूटकर गोमतीनगर 20.00 बजे पहुँचेगी।इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेजयान का 01 साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 08, एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

## एस.एल.आर./डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व पर यात्रियों की सुविधा हेतु 04823/04824 जोधपुर-मऊ-जोधपुर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन जोधपुर से 01 से 29 मार्च, 2026 तक प्रत्येक रविवार को तथा मऊ से 03 से 31 मार्च, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को 05 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा।04823 जोधपुर-मऊ साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 01 से 29 मार्च, 2026 तक प्रत्येक रविवार को जोधपुर से 17.00 बजे प्रस्थान कर पीपाड़ रोड से 17.10 बजे, गोटन से 18.20 बजे, मेड़ता रोड से 18.55 बजे, रेन से 19.04 बजे, डेगाना से 19.32 बजे, मकराना से 20.08 बजे, कूचामन सिटी से 20.24 बजे, नावा सिटी से 20.55 बजे, फुलेरा से 22.02 बजे, जयपुर से 23.10 बजे, दूसरे दिन बांदीकुई से 00.55 बजे, मण्डावर महुआ रोड से 01.21 बजे, खेड़ली से 01.39 बजे, नदबई से 01.56 बजे, भरतपुर से 02.25 बजे, मथुरा जं. से 04.10 बजे, हाथरस सिटी से 04.55 बजे, कासगंज से 06.05 बजे, फरुर्खाबाद से 08.15 बजे, कन्नौज से 09.17 बजे, कानपुर सेंट्रल से 12.01 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 13.35 बजे, अयोध्या कैंट से 16.35 बजे, अयोध्या धाम जं. से 17.02 बजे, शाहगंज से 20.55 बजे, खोरासन रोड से 21.32 बजे, आजमगढ़ से 22.15 बजे तथा मुहम्मदाबाद से 22.47 बजे छूटकर मऊ 23.20 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 04824 मऊ-जोधपुर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 03 से 31 मार्च, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को मऊ से 04.00 बजे प्रस्थान कर मुहम्मदाबाद से 04.32 बजे, आजमगढ़ से 05.05 बजे, खोरासन रोड से 05.47 बजे, शाहगंज से 07.05 बजे, अयोध्या धाम जं. से 08.32 बजे, अयोध्या कैंट से 09.00 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 11.45 बजे, कानपुर सेंट्रल से 13.55 बजे, कन्नौज से 15.05 बजे, फरुर्खाबाद से 16.12 बजे, कासगंज से 18.00 बजे, हाथरस सिटी से 19.05 बजे, मथुरा जं. से 20.30 बजे, भरतपुर से 22.10 बजे, नदबई से 22.35 बजे, खेड़ली से 22.52 बजे, मण्डावर महुआ रोड से 23.35 बजे, दूसरे दिन बाँदीकुई से 00.32 बजे, जयपुर से 02.25 बजे, फुलेरा से 03.25 बजे, नावा सिटी से 03.59 बजे, कूचामन सिटी से 04.13 बजे, मकराना से 04.27 बजे, डेगाना से 05.15 बजे, रेन से 05.54 बजे, मेड़ता रोड से 06.15 बजे, गोटन से 06.35 बजे तथा पीपाड़ रोड से 07.12 बजे छूटकर जोधपुर 08.40 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर./डी. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

## तीसरे दिन गाजियाबाद से 00.27 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनल 01.05 बजे पहुँचेगी

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 05575/05576 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन सहरसा से 11 मार्च, 2026 को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 10 एवं 17 मार्च, 2026 को निम्नवत किया जायेगा। 05575 सहरसा-आनन्द विहार टर्मिनल होली विशेष गाड़ी 11 मार्च, 2026 को सहरसा से 20.00 बजे प्रस्थान कर गढ़ बरुआरी से 20.22 बजे, सुपौल से 20.47 बजे, सरायगढ़ से 21.45 बजे, निर्मली से 22.02 बजे, घोघरडीहा से 22.15 बजे, झंझारपुर से 22.37 बजे, सकरी से 23.02 बजे, शिशो से 23.40 बजे, दूसरे दिन जनकपुर रोड से 00.47 बजे, सीतामढ़ी से 01.35 बजे, बैरगनिया से 02.12 बजे, रक्सौल से 03.20 बजे, नरकटियागंज से 04.30 बजे, बगहा से 05.02 बजे, कप्तानगंज से 08.22 बजे, गोरखपुर से 09.50 बजे, बस्ती से 10.50 बजे, गोंडा से 12.15 बजे, सीतापुर से 15.45 बजे, शाहजहाँपुर से 17.22 बजे, बरेली से 18.34 बजे, मुरादाबाद से 21.25 बजे, हापुड़ से 23.22 बजे तथा तीसरे दिन गाजियाबाद से 00.27 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनल 01.05 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05576 आनन्द विहार टर्मिनल-सहरसा होली विशेष गाड़ी 10 एवं 17 मार्च, 2026 को आनन्द विहार टर्मिनल से 05.15 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 06.05 बजे, हापुड़ से 06.48 बजे, मुरादाबाद से 09.10 बजे, बरेली से 10.40 बजे, शाहजहाँपुर से 11.52 बजे, सीतापुर से 14.15 बजे, गोंडा से 16.30 बजे, बस्ती से 17.50 बजे, गोरखपुर से 19.40 बजे, कप्तानगंज से 20.47 बजे, बगहा से 23.20 बजे, दूसरे दिन नरकटियागंज से 00.20 बजे, रक्सौल से 01.15 बजे, बैरगनिया से 02.02 बजे, सीतामढ़ी से 02.45 बजे, जनकपुर रोड से 03.17 बजे, शिशो से 04.05 बजे, सकरी से 06.02 बजे, झंझारपुर से 06.27 बजे, घोघरडीहा से 06.47 बजे, निर्मली से 08.05 बजे, सरायगढ़ से 09.00 बजे, सुपौल से 09.32 बजे तथा गढ़ बरुआरी से 09.47 बजे छूटकर सहरसा से 10.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 04 तथा वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 14 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

## वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 14 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे

**गोरखपुर,:** रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 05579/05580 पूर्णिया कोर्ट-आनन्द विहार टर्मिनल-पूर्णिया कोर्ट वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन पूर्णिया कोर्ट से 06 से 15 मार्च, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को तथा आनन्द विहार टर्मिनल से 08 से 16 मार्च, 2026 तक प्रत्येक रविवार, सोमवार, बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को निम्नवत किया जायेगा। 05579 पूर्णिया कोर्ट-आनन्द विहार टर्मिनल होली विशेष गाड़ी 06 से 15 मार्च, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार को पूर्णिया कोर्ट से 16.30 बजे प्रस्थान कर बनमंखी से 17.04 बजे, मुरलीगंज से 17.32 बजे, दौरम मधेपुरा से 18.02 बजे, सहरसा से 20.00 बजे, गढ़ बरुआरी से 20.22 बजे, सुपौल से 20.47 बजे, सरायगढ़ से 21.45 बजे, निर्मली से 22.02 बजे, घोघरडीहा से 22.15 बजे, झंझारपुर से 22.37 बजे, सकरी से 23.02 बजे, शिशो से 23.40 बजे, दूसरे दिन जनकपुर रोड से 00.47 बजे, सीतामढ़ी से 01.35 बजे, बैरगनिया से 02.12 बजे, रक्सौल से 03.20 बजे, नरकटियागंज से 04.30 बजे, बगहा से 05.02 बजे, कप्तानगंज से 08.22 बजे, गोरखपुर से 09.50 बजे, बस्ती से 10.50 बजे, गोंडा से 12.15 बजे, सीतापुर से 15.45 बजे, शाहजहाँपुर से 17.22 बजे, बरेली से 18.34 बजे, मुरादाबाद से 21.25 बजे, हापुड़ से 23.22 बजे तथा तीसरे दिन गाजियाबाद से 00.27 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनल 01.05 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05580 आनन्द विहार टर्मिनल-पूर्णिया कोर्ट होली विशेष गाड़ी 08 से 16 मार्च, 2026 तक प्रत्येक रविवार, सोमवार, बृहस्पतिवार एवं शुक्रवार को आनन्द विहार टर्मिनल से 05.15 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 06.05 बजे, हापुड़ से 06.48 बजे, मुरादाबाद से 09.10 बजे, बरेली से 10.40 बजे, शाहजहाँपुर से 11.52 बजे, सीतापुर से 14.15 बजे, गोंडा से 16.30 बजे, बस्ती से 17.50 बजे, गोरखपुर से 19.40 बजे, कप्तानगंज से 20.47 बजे, बगहा से 23.20 बजे, दूसरे दिन नरकटियागंज से 00.20 बजे, रक्सौल से 01.15 बजे, बैरगनिया से 02.02 बजे, सीतामढ़ी से 02.45 बजे, जनकपुर रोड से 03.17 बजे, शिशो से 04.05 बजे, सकरी से 06.02 बजे, झंझारपुर से 06.27 बजे, घोघरडीहा से 06.47 बजे, निर्मली से 08.05 बजे, सरायगढ़ से 09.00 बजे, सुपौल से 09.32 बजे, गढ़ बरुआरी से 09.47 बजे, सहरसा से 10.50 बजे, दौरम मधेपुरा से 11.17 बजे, मुरलीगंज से 12.02 बजे तथा बनमंखी से 12.30 बजे छूटकर पूर्णिया कोर्ट 13.45 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान के 02, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 02, शयनयान श्रेणी के 04 तथा वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 14 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

# जम्मू और कश्मीर में रेल संपर्क की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम

माता वैष्णो देवी कटड़ा - श्रीनगर वंदे भारत का जम्मू तक विस्तार*

जम्मू से श्रीनगर की दूरी पांच घंटे से भी कम समय में होगी पूरी

नई दिल्ली : जम्मू और कश्मीर में रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, उत्तर रेलवे ने माता वैष्णो देवी कटड़ा -श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन विस्तार जम्मू तक कर दिया है। इस इलाके के लोगों की यह लंबे समय से चली आ रही मांग अब पूरी हो गई है, जिससे हजारों यात्रियों को तेज, सुरक्षित और ज्यादा भरोसेमंद यात्रा का विकल्प मिल गया हैं। लोगों की भारी मांग को देखते हुए उत्तर रेलवे ने अब श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा - श्रीनगर वंदे भारत ट्रेनों का जम्मू तक विस्तार कर दिया है, जिससे जम्मू व कश्मीर घाटी के बीच यात्रियों का आवागमन सुगम होगा । माता वैष्णो देवी कटड़ा - श्रीनगर - श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का जम्मू तवी तक विस्तार, दिनांक 01.03.2026 से प्रभावी होगा ।

रेलगाड़ी संख्या 26401
जम्मू तवी - श्रीनगर
रेलगाड़ी संख्या 26402
श्रीनगर - जम्मू तवी

स्टेशन आगमन प्रस्थान
नाम आगमन प्रस्थान 06:15 जम्मू तवी 18:50
08:08 08:10 माता वैष्णो देवी कटड़ा 17:00 17:10 08:28 08:30 रियासी 16:34

16:36 09:56 09:58 बनिहाल 14:58 15:00 11:10 --श्रीनगर -- 14:00

इस विस्तार के साथ, यात्री अब जम्मू और श्रीनगर के बीच पांच घंटे से भी कम समय में यात्रा कर सकते हैं, जो सड़क मार्ग से यात्रा की तुलना में काफी कम है। इस क्षेत्र में सड़क मार्ग से जाने वाले यात्रियों को अक्सर भूस्खलन, भारी बर्फबारी और खराब मौसम की वजह से रुकावटों का सामना करना पड़ता है । वंदे भारत सेवाओं का विस्तार एक भरोसेमंद, हर मौसम का विकल्प देता है जो सुरक्षा, आराम और समय की पाबंदी सुनिश्चित करता है। सेमी हाई-स्पीड वंदे भारत ट्रेनें आधुनिक यात्री सुविधाओं, बेहतर सुरक्षा सुविधाओं से लैस हैं, जिससे यात्रा न केवल तेज बल्कि अधिक सुविधाजनक भी हो जाती है। इस विस्तार से स्थानीय निवासियों को बहुत लाभ होने, पर्यटन को बढ़ावा देने, व्यापार को आसान बनाने और क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने की उम्मीद है। उधमपुर - श्रीनगर- बारामूला रेल लिंक (USBRL) प्रोजेक्ट 6 जून 2025 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देश को समर्पित किया गया था । इसके लोकार्पण के बाद से ही , वहां के लोगों, व्यापारियों, छात्रों और पर्यटकों की तरफ से जम्मू को सीधे श्रीनगर से सेमी हाई-स्पीड वंदे भारत सर्विस के जरिए जोड़ने की जोरदार और लगातार मांग थी। यह प्रयास भारत सरकार और इंडियन रेलवे के जम्मू और कश्मीर के आधारभूत संरचना को बेहतर बनाने और के लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लगातार प्रयासों को दशार्ता है।

# अखिलेश दुबे को सुप्रीम कोर्ट से कड़ी शर्तों के साथ मिली जमानत

**कानपुर।** सुप्रीम कोर्ट ने रंगदारी मामले में अधिवक्ता अखिलेश दुबे को जमानत दे दी है, लेकिन शर्त रखी है कि वे जांच पूरी होने तक शहर से बाहर रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट से कड़ी शर्तों के साथ जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने यह आदेश दिया है। कोर्ट के आदेशानुसार जब तक

अन्य लंबित मुकदमों के कारण उन्हें अभी जेल में ही रहना होगा। कानपुर में भाजपा नेता रवि सतीजा द्वारा दर्ज कराए गए रंगदारी के मामले में छह महीने से जेल में बंद अधिवक्ता अखिलेश दुबे को मुकदमे की जांच पूरी नहीं हो जाती तब तक अखिलेश शहर में नहीं रह सकेगा। इसके अलावा भी कई पाबंदियां लगाई गई हैं। हालांकि, अखिलेश की अभी भी जेल से रिहाई नहीं हो सकेगी। रवि सतीजा ने बर्रा थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा था कि अखिलेश दुबे व साथियों ने मिलकर उनके खिलाफ बर्रा थाने में पॉक्सो एक्ट के तहत झूठा मुकदमा लिखवाया। जांच में घटना झूठी पाई जाने पर एफआर लगी, तो आरोपियों ने रवि को उसके सोना मेंशन बिल्डिंग की छत पर ले जाकर कब्जे और जान माल की धमकी दी। वादिनी मुकदमा के माध्यम से कोर्ट में कूटरचित शपथपत्र दिलवाया गया। अखिलेश को सशर्त जमानत मिल गई फिर रवि को अखिलेश ने अपने कार्यालय में बुलाकर मुकदमे से बचाने के लिए 50 लाख रुपये रंगदारी मांगी। इसी मुकदमे में अखिलेश को पुलिस ने छह अगस्त 2025 को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। तब से वह जेल में ही बंद है। अखिलेश की जमानत अर्जी सेशन कोर्ट से खारिज होने के बाद हाईकोर्ट ने भी 27 अक्तूबर 2025 को जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद अखिलेश ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जहां सुनवाई के बाद अखिलेश को सशर्त जमानत मिल गई। यह है मुकदमों की स्थिति जेल जाने के बाद अखिलेश के खिलाफ एक-एक कर चार और मुकदमे दर्ज हुए थे। दो मुकदमे किदवईनगर थाने में शैलेंद्र कुमार व सुरेश पाल द्वारा दर्ज कराए गए थे। एक मुकदमा अधिवक्ता संदीप शुक्ला द्वारा कोतवाली में दर्ज कराया गया था। एक मुकदमा वक्फ की संपत्ति पर कब्जे के मामले में ग्वालटोली थाने में दर्ज हुआ था। जूही थाने में दर्ज प्रज्ञा त्रिवेदी के मुकदमे में अग्रिम विवेचना में अखिलेश का नाम आने पर चार्जशीट दाखिल हुई है। इनमें से संदीप शुक्ला और शैलेंद्र कुमार की ओर से दर्ज मुकदमों में अखिलेश को सेशन कोर्ट से ही जमानत मिल गई थी।

# स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को फंसाने के लिए बनाया गया दबाव

**वाराणसी।** शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती प्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहा। प्रयागराज पुलिस द्वारा शंकराचार्य पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच के बीच शाहजहांपुर का एक पत्रकार सामने आया है। उसने आरोप लगाया कि उस पर शंकराचार्य को फंसाने के लिए दबाव बनाया गया। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर निवासी पत्रकार रमाशंकर दीक्षित सोमवार की देर शाम केदारघाट स्थित श्रीविद्या मठ पहुंचे और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ एफआईआर की अर्जी देने वाले आशुतोष पांडेय पर गंभीर आरोप लगाए। रमाशंकर ने कहा कि आशुतोष ने फोन किया और दबाव बनाते हुए शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को फंसाने के लिए कहा। कहा कि आरोप लगाओ कि बद्रीनाथ में अविमुक्तेश्वरानंद ने बच्ची का यौन शोषण किया था। तुम्हारा आर्थिक सहयोग किया जाएगा। हमने इन्कार कर दिया और कहा कि मेरे पिताजी दंडी संन्यासी थे इसलिए हमारी आत्मा गवाही नहीं दे रही है। इसपर आशुतोष ने धमकी देते हुए कहा कि अगर तुम हमारा साथ नहीं दोगे तो हमारे पास और रास्ते हैं। यूपी पुलिस की जगह गैर भाजपा शासित राज्य की पुलिस से कराएं जांचः स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद उधर, केदारघाट स्थित श्रीमठ में पत्रकारों से बातचीत के दौरान शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि मेरे ऊपर लगे आरोपों की जांच यूपी पुलिस की जगह गैर भाजपा शासित राज्य की पुलिस से कराई जाए क्योंकि जनता को यूपी पुलिस पर भरोसा नहीं है।

## संक्षिप्त खबरें

### नाती-बहू में मारपीट, बचाव करने गए बुजुर्ग की सिर में चोट लगने से मौत

मुंडेरवा। थाना क्षेत्र के बरडाड गांव में रविवार की रात नाती-बहू के बीच हो रहे मारपीट में बीच-बचाव करने के गए 85 वर्षीय बुजुर्ग नाना घिसियावन के सिर में गंभीर चोट लगाने से मौत हो गई। पुलिस इस कहानी को संदिग्ध मान रही है। उसका कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असल वजह सामने आ पाएगी। रुधौली के सीओ कुलदीप यादव ने बुजुर्ग के नाती और उसकी पत्नी से पूछताछ की। आसपास के लोगों का कहना गुलाब (26) रविवार की रात नशे में घर पहुंचा था। किसी बात पर पत्नी के साथ मारपीट करने लगा था। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के श्रीराम नगर गांव के घिसियावन अपने नाती गुलाब के साथ बरडाड गांव में रहते थे। आसपास के लोगों का कहना है कि गुलाब (26) रविवार की रात को नशे में घर पहुंचा था। किसी बात पर उसका पत्नी से विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई। मारपीट बढ़ता देख घिसियावन बीच-बचाव करने गए। इस दौरान एक डंडा उसके सिर पर पड़ गया इससे उनकी मौत हो गई। पड़ोस में आए किसी रिश्तेदार ने पुलिस को सूचना दी। थानेदार प्रदीप कुमार सिंह भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने बुजुर्ग के नाती गुलाब से पूछताछ की। थानेदार ने बताया कि मामला संदिग्ध लग रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि मारने से सिर में चोट लगी है या गिरने से। तहरीर मिलने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

### भाई के दुबई में जेल जाने की बात कहकर 50 हजार ठगे

नगर बाजार (बस्ती)। थाना क्षेत्र में एक बार फिर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। इस बार ठगों ने एक शख्स के भाई के दुबई में जेल जाने की बात कहकर 50 हजार रुपये की ठगी कर ली गई है। पीड़ित ने सोमवार को नगर पुलिस को तहरीर दी है। मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर थाना क्षेत्र के ग्राम फुलवरिया निवासी मुरलीचंद्र निषाद ने बताया कि उनके मोबाइल पर अज्ञात शख्स का फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को दुबई के अधिकारी के रूप में पेश करते हुए बताया कि आपका भाई ने दुबई में मारपीट की है। वह जेल जाने वाला है। यदि जेल जाने से बचाना है तो तुरंत 50 हजार रुपये भेज दो। मुरलीचंद्र ने बताया कि भाई को जेल जाने से बचाने के लिए उसने बताए गए बैंक खाते में रुपये ट्रांसफर कर दिए। बाद में जब भाई से संपर्क किया तो पता चला कि वह सुरक्षित है। ऐसी कोई घटना हुई ही नहीं थी। थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। कॉल डिटेल्स, ट्रांजेक्शन का रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

### राष्ट्रीय राजमार्गों के अवैध कटों को बंद करने के दिए निर्देश

बस्ती। कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को सीडीओ सार्थक अग्रवाल की अध्यक्षता में विभिन्न विभागीय एवं समितियों की महत्वपूर्ण बैठकें हुईं। इसमें आईजीआरएस, जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं वन भूमि को अमलदरामद, कर-करेत्तर, सीएम डैशबोर्ड, सड़क सुरक्षा, जिला श्रम बंधु समिति एवं बाल श्रम उन्मूलन, एन-कोर्ड से संबंधित बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। सड़क सुरक्षा की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों राष्ट्रीय राजमार्गों के अवैध कटों को चिह्नित करते हुए उन्हें तत्काल बंद करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सुरक्षा के दृष्टिगत डिवाइडर को नियमानुसार ऊंचा किया जाय। जिला श्रम बंधु समिति एवं बाल श्रम उन्मूलन की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को श्रमिकों का पंजीकरण कराने तथा बाल श्रम रोकने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। एन-कोर्ड की समीक्षा करते हुए उन्होंने अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए। आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने निर्देश दिए कि जनशिकायतों का निस्तारण निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

### लिखित डायटम रिपोर्ट मिलने के बाद उठेगा दरोगा की मौत से पर्दा

बस्ती। दरोगा अजय गौड़ की रहस्यमयी मौत के प्रकरण पुलिस ने अब चुप्पी साध ली है। पुलिस ने अपनी जांच प्रक्रिया का दस्तावेज तैयार कर लिया है। दरोगा का दोनों मोबाइल बरामद हो चुका है। पुलिस के अनुसार, अयोध्या सरयू पुल से बाइक लेकर आने वाला शातिर चोर जेल भेजा जा चुका है। मगर, अब पुलिस वैज्ञानिक साक्ष्य के तौर पर डायटम रिपोर्ट मिलने के इंतजार में है। इससे पहले अधिकारिक रूप से दरोगा के मौत का रहस्य खुलने की उम्मीद कम हो गई है। दरोगा के भाई एवं एडीएम झांसी अरुण कुमार के गहरी साजिश कर हत्या किए जाने के आरोप के बाद से पुलिस इस मामले में अपने स्तर से कोई चूक नहीं करना चाह रही है। एडीएम ने साफ कह दिया है कि यदि हत्या का खुलासा नहीं हुआ तो वह इस मामले को लेकर कोर्ट चले जाएंगे। एडीएम के प्रार्थना पत्र पर उच्च अधिकारी भी बस्ती पुलिस को निष्पक्ष जांच के निर्देश दे चुके हैं। मामला हाईप्रोफाइल होने से पुलिस भी प्रत्येक बिंदु पर ठोस साक्ष्य संकलित कर रही है। ताकि अनावरण के बाद पुलिस पर अंगुली न उठे।

### हादसे में घायल की इलाज के दौरान मौत

पैकोलिया। थाना क्षेत्र के कुर्दा गांव में अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। पुलिस ने उसके बेटे की तहरीर पर वाहन चालक पर प्राथमिकी दर्ज किया है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के मझौवा चौबे गांव निवासी अमर कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उसके पिता राम तौल 20 फरवरी की दोपहर में पैदल ही कुर्दा बाजार में स्टेट बैंक ग्राहक सेवा केंद्र से रुपये निकालने गए थे।वह चौक में पहुंचे थे कि लापरवाही पूर्वक अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वह अपने पिता को इलाज बस्ती ले गया, वहां से लखनऊ ले जाया गया जहां पर मौत हो गई।

### उर्वरक वितरण में लाएं पारदर्शिता

बस्ती। शासन से नामित सहकारिता के नोडल एवं अपर आयुक्त तथा अपर निबंधक सहाकारिता शशि रंजन राव सोमवार को जनपद पहुंचे। उन्होंने विकास भवन सभागार में सहकारिता से जुड़ी एजेंसियों के साथ बैठक की। निर्देश दिए कि किसान से जुड़ी सरकार की कल्याणकारी योजना धान खरीद, उर्वरक वितरण में पूरी तरह पारदर्शिता लाई जाए। उन्होंने संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक सहकारिता बस्ती मंडल विकास कुमार, उप आयुक्त एवं उप निबंधक सहकारिता आशीष श्रीवास्तव समेत मंडल के तीनों जिलों के अधिकारियों के साथ बिंदुवार समीक्षा की। अधिकारियों की निरीक्षण रिपोर्ट जांची।

## एलयू में तीसरे दिन भी बवाल,नमाज के विरोध में हनुमान चालीसा पढ़ने गए छात्र हिरासत में

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय एलयू में आज लगातार तीसरे दिन भी बवाल जारी है। कैंपस में मुस्लिम छात्रों के नमाज पढ़ने के विरोध में आज दूसरे गुट के छात्र हनुमान चालीसा पढ़ने पहुंचे थे। उनके इकट्ठा होते ही पुलिस भी पहुंच गई। छात्रों को पकड़-पकड़कर गाड़ी में ठूंस दिया। चालीसा पाठ करने गए छात्रों का कहना है कि जब यहां नमाज पढ़ी गई, इफ्तार पार्टी की गई तो कोई कार्रवाई नहीं की गई। आज हनुमान चालीसा पर कार्रवाई क्यों की जा रही है? जिन्होंने यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग पर कुदाल चलाई, उन पर देशद्रोह का मुकदमा होना चाहिए। हम जैसे उनका, उसी तरह अपने धर्म का भी सम्मान करते हैं। कई छात्रों के हिरासत में लिए जाने के बाद कुछ और छात्र लाल बारादरी बिल्डिंग पहुंचे। वहां बिल्डिंग पर गंगाजल छिड़का। बाद में बिल्डिंग के सामने राष्ट्रीय शिक्षार्थी दल के छात्रों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। यूनिवर्सिटी कैंपस के अंदर लाल बारादरी बिल्डिंग है, जिसके अंदर मस्जिद होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, कई छात्रों का यह भी कहना है कि उसके अंदर एक छोटा मंदिर भी है। बिल्डिंग काफी जर्जर हो गई है, इसलिए विश्वविद्यालय प्रशासन उसका रेनोवेशन करा रहा है।

# सराफा में 25 हजार कंडों की जलेगी होली, दहन के समय को लेकर संशय

■ ग्वालियर

सराफा बाजार में शहर की सबसे बड़ी होली 25 हजार कण्डों की जलाई जाएगी, लेकिन इस बार होली पर भद्रा और चन्द्रग्रहण का साया होने के कारण बाजार और मंदिरों में संशय की स्थिति है कि होली किस दिन और किस समय जलाई जाए। इसके लिए शहर के बड़े-बड़े ज्योतिषियों की राय ली जा रही है।

होलिका दहन फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा के दिन भद्रा रहित समय में शुभ मुहूर्त में किया जाता है, लेकिन इस बार इसको लेकर संशय की स्थिति है, क्योंकि 02 मार्च को रात भर भद्रा रहेगी और 03 मार्च को चंद्रग्रहण रहेगा। वहीं ज्योतिषियों का कहना है कि होलिका दहन 02 मार्च सोमवार को प्रदोष काल में भद्रा के मुख को छोड़कर शाम 06:18 बजे से रात्रि 08:49 बजे तक किया जा सकता है।

### होलिका दहन के लिए सराफा में आज होगी बैठक

सराफा बाजार में होली कार्यक्रम के संयोजक गोपाल अग्रवाल ने बताया कि इस बार होली दहन के समय को लेकर संशय की स्थिति है। होलिका दहन कब और किस समय किया जाना है इसके लिए मंगलवार को एक बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस बार होली में 25 हजार कण्डों का उपयोग किया जाएगा। सराफा बाजार में कण्डों की होली पिछले 60 वर्षों से जलाई जा रही है। होलिका दहन के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

### यहां जलेंगी होली

▶▶ श्री सनातन धर्म मंदिर के प्रधानमंत्री रमेश गोयल लल्ला एवं महेश नीखरा ने बताया कि मंदिर पर होली 2 मार्च को शाम 6 से रात्रि 9 बजे के बीच जलाई जाएगी।

▶▶ श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी गौरव पंडित ने बताया कि शाम 6 से रात्रि 9 बजे के बीच जलाई जाएगी।

▶▶ श्री राम मंदिर के सचिव गोविंद प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि होलिका दहन को लेकर मंगलवार को बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें होलिका दहन को लेकर चर्चा की जाएगी।

### होलाष्टक शुरू : आज से 3 मार्च तक नहीं होंगे शुभ कार्य

रंगो का पर्व होली से पहले लगने वाला होलाष्टक 24 फरवरी से प्रारंभ हो गया है, जो 3 मार्च तक रहेगा। मान्यता के अनुसार इस दौरान किसी भी प्रकार के शुभ कार्य नहीं होंगे।

ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन ने बताया कि होलाष्टक फाल्गुन माह शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा तक की अवधि को माना जाता है। इस बार यह 24 फरवरी मंगलवार से प्रारंभ होकर 03 मार्च मंगलवार को होलिका दहन पश्चात समाप्त होंगे। उन्होंने बताया कि होलाष्टक को अशुभ प्रभाव वाला समय माना जाता है, इसलिए शुभ कार्य एवं मांगलिक कार्य टालना चाहिए जैसे विवाह, सगाई, गृह प्रवेश, नामकरण संस्कार,जनेऊ संस्कार, गृहशांति एवं शुभ पूजन, नया व्यवसाय या नई नौकरी। लेकिन भगवान की पूजा-आराधना, मंत्र जप, धार्मिक और आत्मिक अभ्यास, जरूरतमंदों को दान देना आदि कार्य किए जा सकते हैं। मान्यताओं के अनुसार इस समय ग्रहों की ऊर्जा अस्थिर, उग्र मानी जाती है, जिसके कारण किसी भी शुभ और मांगलिक कार्य में विघ्न या बाधा आ सकती है। इसलिए शुभ कार्य करना वर्जित होता है।

## एमएलबी महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया

**ग्वालियर।** महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय एवं शिक्षा उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. राजरानी शर्मा ने कहा कि मातृभाषा मां के दूध के समान है, जो समाज को जीवंत और सशक्त बनाती है। उन्होंने मातृभाषा को कामधेनु की संज्ञा देते हुए कहा कि यह समाज की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम है। न्यास के विभाग संयोजक राजकुमार वाजपेयी ने कहा कि मातृभाषा की अस्मिता और उपादेयता का संवर्धन न्यास का प्रमुख ध्येय है। विशेष क्षेत्र संयोजक डॉ. राजेंद्र वैद्य ने बताया कि जिन देशों में शिक्षा और संवाद मातृभाषा में होता है, वहां वैज्ञानिक प्रगति अधिक हुई है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. हरीश अग्रवाल ने भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ाने में मातृभाषा की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. श्रद्धा सक्सैना ने विलुप्त होती भाषाओं पर चिंता व्यक्त की। संचालन डॉ. विष्णु अग्रवाल तथा आभार प्रदर्शन डॉ. पदमा शर्मा ने किया। कार्यक्रम में लगभग 200 विद्यार्थी एवं महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक उपस्थित रहे।

### नगर निगम ने कसा बिजली खर्च पर शिकंजा

# एनर्जी ऑडिट से 9 करोड़ की बचत, दो माह में 30 करोड़ सालाना राहत की उम्मीद

■ ग्वालियर

नगर निगम ने बिजली के बढ़ते बिलों पर लगाम लगाने और अपनी कमजोर होती वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए जो एनर्जी ऑडिट अभियान शुरू किया था, उसके अब ठोस और सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। बीते चार माह से व्यापक स्तर पर चल रही एनर्जी ऑडिट की कार्रवाई से अब तक लगभग 9.01 करोड़ रुपए की वार्षिक बचत सुनिश्चित हो चुकी है। निगम अधिकारियों का दावा है कि शेष कार्यवाही आगामी दो माह में पूरी होते ही करीब 30 करोड़ रुपए तक की सालाना बचत संभव होगी।

नगर निगम के अंतर्गत वर्तमान में कुल 18 हाईटेंशन (एचटी)

और 3651 लो टेंशन (एलटी) विद्युत कनेक्शन संचालित हैं। इन सभी कनेक्शनों का औसत मासिक बिजली बिल करीब 10.95 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका था। दूसरी ओर निगम को चुंगी क्षतिपूर्ति के रूप में प्रतिमाह केवल 15.57 करोड़ रुपए ही प्राप्त होते हैं। स्थिति यह थी कि 60.08 करोड़ रुपए के पुराने एरियर और भारी बिजली खर्च के चलते चुंगी क्षतिपूर्ति से सीधे बिजली बिल की कटौती हो रही थी, जिससे निगम के पास विकास कार्यों के लिए बेहद सीमित धन बचता था।

इसी दबाव के चलते नगर निगम ने एनर्जी ऑडिट को गंभीरता से लागू किया। अब तक 8 एचटी कनेक्शनों में कॉन्ट्रैक्ट डिमांड कम कराई गई है, जिससे 1.25 करोड़ रुपए की वार्षिक बचत शुरू हो चुकी है। शेष 2 एचटी कनेक्शनों में यह प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा 6 एचटी कनेक्शनों में पावर फैक्टर 0.95 से कम पाए जाने पर ओएंडएम वेंडर से सुधारात्मक कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे करीब 49.67 लाख रुपए की सालाना बचत संभावित है। तीन एचटी कनेक्शनों में गलत टैरिफ लागू होने की स्थिति सामने आने पर बिजली कंपनी को टैरिफ परिवर्तन के लिए पत्र भेजा गया है। इससे 22 लाख रुपये प्रतिवर्ष की अतिरिक्त बचत होगी।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार शेष एलटी कनेक्शनों में अगले दो माह में स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे, जिससे न्यूनतम 20 करोड़ रुपए की अतिरिक्त सालाना बचत होगी। निगम का मानना है कि एनर्जी ऑडिट से न सिर्फ बिजली खर्च पर नियंत्रण होगा, बल्कि निगम की आर्थिक सेहत भी मजबूत होगी।

## एमआईटीएस के वार्षिकोत्सव में छात्रों के बीच विवाद

**ग्वालियर।** माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान में चल रहे वार्षिकोत्सव के दौरान सोमवार रात छात्रों के बीच विवाद हो गया। विवाद डांस कार्यक्रम के दौरान मंच के पास स्थान को लेकर दो पक्षों में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते झगड़े में बदल गई। घटना की सूचना मिलते ही गोला का मंदिर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी धर्मेंद्र यादव पुलिस बल के साथ परिसर पहुंचे और विवाद में शामिल छात्रों को थाने ले आए। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से स्थिति पर जल्द नियंत्रण पा लिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि छात्रों के बीच आपसी विवाद हुआ था, फिलहाल किसी के विरुद्ध मामला दर्ज नहीं किया गया है और समझाइश के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। घटना के बाद परिसर में अतिरिक्त सतर्कता बरती गई।

## खेत में पानी देने के विवाद में किसान हत्या का आरोपी पकड़ा

■ गिरगांव में की थी गोली मारकर हत्या, पांच आरोपी अभी भी फरार

■ ग्वालियर

महाराजपुरा थाना क्षेत्र में किसान की गोली मारकर हत्या करने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। खेत में पानी देने और निकलने के विवाद में मूकबधिर की गोली मारकर हत्या को अंजाम दिया था। पुलिस ने पकड़े गए इनामी आरोपी से अन्य आरोपियों के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है।

महाराजपुरा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम गिरगांव में 17 फरवरी को खेत में पानी देने और निकलने के विवाद में किसान डालचंद गुर्जर की सोनू उसके भाई बब्बू गुर्जर, सुमंत लल्ला और रामसेवक बंटी गुर्जर ने गोली मारकर हत्या कर दी

थी। हत्या के बाद से ही पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए उनके छिपने के स्थानों पर दबिश दे रही थी सोमवार को मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली कि डालचंद की हत्या का आरोपी सोनू उर्फ योगेंद्र गुर्जर शहर में देखा गया है और वह गिरगांव में पहुंचने वाला है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सोनू को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी से पुलिस ने घटना के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है। किसान की हत्या के आरोपियों पर दस दस हजार रुपए का इनाम घोषित था।

## प्रथम वर्ष नर्सिंग छात्र-छात्राओं का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

**ग्वालियर।** गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में सोमवार को प्रथम वर्ष नर्सिंग छात्र-छात्राओं का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि अस्पताल में मरीजों की सेवा प्रेम, करुणा और त्याग की भावना से करें तथा नैतिक जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारी से करें। उन्होंने अनुशासन और दृढ़ निश्चय को छात्र जीवन की सफलता का आधार बताया। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डॉ. जीतेन्द्र अग्रवाल, नर्सिंग अधीक्षक अंजू जैन, प्राचार्या अर्चना जोशी, एस.एन.ए. एडवाइजर पुष्पा राय, वार्डन कल्पना भदौरिया तथा समस्त शिक्षण स्टाफ उपस्थित रहे। समारोह में छात्र-छात्राओं ने सेवा, समर्पण और मानवीय मूल्यों के साथ कार्य करने की शपथ ली।

## साहित्य, कला और प्रकृति का अद्भुत संगम है ग्वालियर

■ ग्वालियर

ग्वालियर गीत समारोह 'गीत कौमुदी' एवं राष्ट्रीय गीत संगोष्ठी का आयोजन बिरला नगर श्याम वाटिका में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर निगम उपायुक्त शिशिर श्रीवास्तव थे। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार जगदीश तोमर ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि ग्वालियर की धरा वास्तव में साहित्य, कला और प्रकृति के अद्भुत संगम के रूप में अग्रणी है। यह शहर मध्य प्रदेश का एक ऐतिहासिक रत्न है, जहां विरासत, संस्कृति और संगीत की आत्मा बसती है। डॉ. सुरेश सम्राट ने कहा कि गीत हमारी जिंदगी का अटूट अंग है, जो हमें जीवंतता देता है। राजकिशोर वाजपेयी ने कहा गीत में वह शक्ति है जो नवरसों को लाकर अंतरमन से आनंदित कर देता है। जगदीश तोमर ने कहा कि ग्वालियर गीत की परंपरा में समृद्धशाली रही है। यह ग्वालियर गीत और संगीत की भूमि है। कार्यक्रम की अगली श्रृंखला में डॉ. संकल्प श्रीवास्तव, डॉ. भावना चोपड़ा राम अवतार रास, राजकिशोर राज आदि ने सुंदर गीतों की प्रस्तुति दी।

### मैं भाव हूं और भाव का आभास हो तुम

गीतों की इसी क्रम में डॉ. संकल्प श्रीवास्तव ने हो रही हैं उन्नत महत्वाकांक्षाएं,भाव क्षीण होते जा रहे हैं। डॉ. भावना चौपड़ा ने मैं शब्द हूं और शब्द का विन्यास हो तुम, मैं भाव हूं और भाव का आभास हो तुम। रेखा भदौरिया ने आत्मनिर्भर होकर हम बढ़ें आगे बढ़ें, कीर्ति के प्रतिमान नित नव हम गढ़ें। राम अवतार सिंह ने चेहरा चेहरा खिला हुआ है अंतर में हों मीठी यादें, सुबह-शाम फिर आए रंगीली तब समझूंगा सावन आया। इसी क्रम में डॉ. वसुंधरा व्यास, राज किशोर राज, डॉ. शरद यायावर, दिनेश प्रियमन ने गीत सुनाए। इस मौके पर राजेश शर्मा, घनश्याम भारती, ललित मोहन त्रिवेदी, डॉ.किंकर पाल सिंह जादौन, राम चरण रुचिर, विजय सेठी अकेला, डॉ. मनोज चौपड़ा आदि उपस्थित रहे। आभार बृजेश चंद्र श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

## सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, बौद्धिक गतिविधियों ने बांधा समां

■ एमआईटीएस में वार्षिक महोत्सव का भव्य समापन

■ ग्वालियर

माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एमआईटीएस) सम-विश्वविद्यालय में आयोजित वार्षिक महोत्सव आरुण्य-2026 का द्वितीय एवं तृतीय दिवस उत्साह और व्यापक छात्र सहभागिता के साथ संपन्न हुआ। जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मौर्य ने बताया कि 22 फरवरी को द्वितीय दिवस की संध्या में बंदिश म्यूजिक क्लब ने जी कर दा, ए दिल है मुश्किल और बुल्लेया की प्रस्तुति देकर

श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इसके बाद अर्बन वॉयेज क्लब द्वारा प्रस्तुत महाभारत कॉस्प्ले ने पौराणिक पात्रों का सजीव मंचन कर भारतीय सांस्कृतिक विरासत का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

तृतीय दिवस का आरंभ लफ्ज-ए-बयान की पहल-ए-हुनर, होलिस्टिक हेल्थ क्लब की आर्केड मैनिया 2.0, द भागवत क्लब की अक्षरमिता-26 और क्रेरेंसिया के बी-वाय-ओ-बी जैसे कार्यक्रमों से हुआ। सायंकाल नृत्यसंगम की गणेश वंदना से शुरुआत हुई, जिसके बाद हीर-रांझा, इन्फर्नो, स-रंग, बैटल और ओम शांति ओम प्रस्तुत किए गए। टीम नृत्यसंगम की दीक्षिता बरगोड़ा, दिव्यांश शर्मा, श्रुति जोडवाल, गरगी लोड़वाल, हर्ष यादव एवं ध्रुव शर्मा ने उत्कृष्ट समन्वय किया। समापन अवसर पर डीजे कशिश राठौर की डीजे नाइट में लगभग 6,000 विद्यार्थी झूम उठे। कार्यक्रम में कुलपति डॉ. आर. के. पंडित, प्रो-वाइस चांसलर डॉ. मंजरी पंडित, डॉ. आर. एस. जादौन, डॉ. मनीष कुमार सागर और डॉ. मनीष दीक्षित सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

## जीवाजी विवि के सुरक्षा ठेका मामले में गड़बड़ी के आरोप, न्यायालय जाने की तैयारी

**ग्वालियर।** जीवाजी विश्वविद्यालय में सुरक्षा ठेका संबंधी कथित अनियमितताओं को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। विश्वविद्यालय के विधि छात्र जयप्रकाश मौर्य ने सोमवार को प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि शर्मा सिक्योरिटी एजेंसी में एक नेता की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। मौर्य ने पत्रकारों के प्रश्नों के उत्तर में कहा कि नेता एक प्रमुख व्यक्ति हैं और संबंधित सुरक्षा एजेंसी में उनकी भागीदारी रही है। उन्होंने दावा किया कि सुरक्षा ठेका समाप्त होने के बाद भी एजेंसी को करोड़ों रुपए का भुगतान किया गया। इस संबंध में 19 फरवरी को मौर्य ने लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराते हुए लक्ष्मी शर्मा तथा विश्वविद्यालय के कुलपति और कुलसचिव के खिलाफ जांच की मांग की थी। शिकायत में यह भी आरोप है कि पिछले दस वर्षों से एक ही एजेंसी को सुरक्षा का कार्य दिया जा रहा है और इस दौरान नियमित टेंडर प्रक्रिया नहीं अपनाई गई। मौर्य ने कहा कि यदि निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो वे मामले को न्यायालय तक ले जाएंगे।

### रेडियंट स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित

**ग्वालियर।** द रेडियंट स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भारत की सांस्कृतिक झलक देखने को मिली। प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए भारत के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा धारण की। वहीं कुछ विद्यार्थियों द्वारा लोकनृत्य भी प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर अर्जुन गुप्ता, प्रिया गुप्ता, प्राचार्य ब्रह्मजीत सिंह आदि उपस्थित रहे।

### भगवान दास अध्यक्ष और राम कुमार मंत्री बने

**ग्वालियर।** प्रगतिशील प्रजापति सभा ग्वालियर का कार्यकारिणी चुनाव गत दिवस संपन्न हुआ। निर्वाचन अधिकारी ओमप्रकाश प्रजापति, पवन गोले, राजकुमार प्रजापति के देखरेख में भगवान दास प्रजापति अध्यक्ष, वेदप्रकाश सुजेनिया उपाध्यक्ष, राम कुमार प्रजापति मंत्री, भालचंद विश्वकर्मा उपमंत्री, राजकुमार प्रजापति कोषाध्यक्ष, नारायण दास प्रजापति खेलमंत्री, संजय प्रजापति पुस्तकालय मंत्री, चन्द्रभान प्रजापति शिक्षा मंत्री, देवेन्द्र प्रजापति प्रचार मंत्री निर्वाचित हुए।

## आरक्षक भर्ती की फिजिकल परीक्षा शुरू बीए-एमए और बीटेक पास युवा भी मैदान में

**ग्वालियर।** मध्य प्रदेश पुलिस आरक्षक भर्ती के तहत सोमवार से फिजिकल परीक्षा की शुरुआत हो गई है। ग्वालियर के 14वीं बटालियन एसएएफ ग्राउंड पर बने परीक्षा केंद्र में अंचल सहित आसपास के जिलों से अभ्यर्थी अलसुबह ही पहुंचने लगे। खास बात यह रही कि 12वीं पास पात्रता वाली इस भर्ती में ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन और बीटेक जैसे उच्च शिक्षित युवा भी अपना भाग्य आजमाते नजर आए। केंद्र पर स्वह्वल 5600 अभ्यर्थियों को फिजिकल परीक्षा के लिए बुलाया गया है। पहले दिन सोमवार को दोपहर तक 155 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो चुके थे, जिनकी एंट्री सुबह 6 बजे से कराई गई। भर्ती प्रक्रिया के तहत प्रतिदिन निर्धारित संख्या में अभ्यर्थियों को बुलाया जा रहा है। ग्वालियर में फिजिकल परीक्षा 23 फरवरी से 14 मार्च तक आयोजित की जाएगी। सोमवार के अलावा मंगलवार को भी क्रमशः 200-200 अभ्यर्थियों को बुलाया गया है, इसके बाद प्रतिदिन 400 अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा ली जाएगी। फिजिकल परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों में बीए, बीएससी, एमए, एमएससी और बीटेक पास युवा भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार यह स्थिति रोजगार के प्रति युवाओं की गंभीरता को दर्शाती है।

## झंग बिरादरी का रंग उत्सव आज

■ ग्वालियर

श्री आदर्श रामलीला समिति (झंग बिरादरी) द्वारा 27 फरवरी से रामलीला का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में समिति द्वारा मंगलवार को रंग उत्सव मनाया जाएगा। इस दौरान भगवान श्रीराम को रंग डालकर समाज के घरों और प्रतिष्ठानों को रामलीला के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इस दिन समिति के सदस्य सुबह 11 बजे पीले वस्त्र धारण कर ढोल ताशों के साथ निकलेंगे। वहीं रामलीला मंचन को लेकर कलाकारों द्वारा अभ्यास किया जा रहा है जिसमें 12 से 76 वर्ष की उम्र तक के कलाकार शामिल हैं।

## संजय गोयल बने संभागीय अध्यक्ष

अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद गोयल एवं प्रदेश युवा इकाई अध्यक्ष अतुल खंडेलवाल के निर्देश पर संजय गोयल संभागीय अध्यक्ष, प्रकाश खण्डेलवाल जिलाध्यक्ष के पद पर नियुक्त हुए। श्री गोयल ने कहा कि संगठन ने हमें जो जिम्मेदारी दी है उसका निर्वहन पूरी ईमानदारी के साथ करेंगे।

### दो दिवसीय वार्षिक मेला एवं प्रदर्शनी का समापन

# महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का लिया संकल्प

■ ग्वालियर

कंपू स्थित कस्तूरबा विश्रांति भवन न्यास परिसर में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक मेला एवं प्रदर्शनी के समापन समारोह में सोमवार को महिलाओं के आत्मनिर्भर भविष्य का सशक्त संदेश दिया गया।

कस्तूरबा गांधी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के समापन समारोह की मुख्य अतिथि पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता ने कहा कि न्यास द्वारा महिलाओं और बेटियों को स्वावलम्बी एवं सम्मानपूर्वक आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जो कार्य किए जा रहे हैं, वे अत्यंत प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाना समय की आवश्यकता है और वे हर संभव सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेंगी।

मुख्य वक्ता मध्यप्रदेश रेडक्रॉस सोसायटी के जनरल सेक्रेटरी एवं अखिल भारतीय सेवा भारतीय के संपर्क प्रमुख रामेंद्र सिंह ने कहा कि वे देशभर में अनेक स्वावलम्बी संस्थानों का कार्य देख चुके हैं, किंतु कस्तूरबा न्यास द्वारा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए किया जा रहा प्रयास अपने आप में अद्भुत है। उन्होंने विश्वास जताया कि आज नवाचार के रूप में विकसित हो रहा यह प्रयास

भविष्य में वटवृक्ष बनकर खड़ा होगा और नानाजी देशमुख तथा दीनदयाल संस्थान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के समकक्ष पहुंचेगा।

विशिष्ट अतिथि नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष अतुल अधोलिया ने कहा कि महिलाओं को स्वरोजगार प्रारंभ करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए बैंक हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा। वहीं लघुउद्योग भारती की सचिव प्रियंका कुशवाह ने कहा कि उनकी संस्था हर कदम पर न्यास के साथ है। वे समय-समय पर स्वयं उपस्थित होकर महिलाओं को मार्गदर्शन देंगी तथा संबंधित विभागों के माध्यम से शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास करेंगी।

ट्रस्टी मीना सचान एवं मनीषा इन्दापुरकर द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण केंद्र के अंतर्गत नए कार्य प्रारंभ करने की घोषणा भी की गई, जिससे अधिक से अधिक महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें।

सभी अतिथियों ने प्रबंध न्यासी अभिभाषक जगदीश प्रसाद शर्मा सहित समस्त न्यासियों के प्रयासों की सराहना करते हुए भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। आभार डॉ. श्रीप्रकाश लोहिया ने व्यक्त किया।

मेले में स्वावलम्बी महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों के आकर्षक स्टॉल लगाए गए, जिन पर नागरिकों ने उत्साहपूर्वक खरीदारी की। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य क्षेत्र के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य यशवंत इंदापुरकर, ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी, सेवानिवृत्त डीएसपी राजेन्द्र घुरैया, पूर्व अधीक्षक जेएएच डॉ. अशोक मिश्रा, जयश्री चौहान, डॉ. संदीपा मल्होत्रा, प्रीति तोमर, प्रीति चौबे, गिर्राज अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

## संतुलित पोषण थाली ही मधुमेह से बचाव का उपायः डॉ. दीक्षित

**ग्वालियर।** माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वास्थ्य शिविर एवं मधुमेह जागरूकता व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पूर्व अध्यक्ष बाल कल्याण समिति डॉ. के. के. दीक्षित मौजूद रहे। जिन्होंने मधुमेह के कारण, लक्षण और बचाव पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि पोषण थाली में दाल, सब्जी, रोटी और सलाद की संतुलित मात्रा का सेवन ही मधुमेह से बचने का प्रभावी उपाय है। उन्होंने बताया कि यह केवल मीठा खाने से नहीं, बल्कि मेटाबॉलिज्म संबंधी विकार, तनाव, प्रदूषण और वंशानुगत कारणों से भी होता है। उन्होंने नियमित जांच और संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी तथा डॉ. रविंद्र नांदेड़कर के मधुमेह मुक्त भारत अभियान का उल्लेख किया। डॉ. मनोज अवस्थी ने योग, व्यायाम और प्राकृतिक आहार अपनाने का संदेश दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. शिव कुमार शर्मा ने जागरूकता को आवश्यक बताया। संचालन डॉ. सरिता दीक्षित और आभार डॉ. संजय कुमार पांडे ने व्यक्त किया।

## संपादकीय

### व्यापार समझौते में सरकार की उलझन

किसी भी चीज को अपने लिए फायदेमंद बताने का हुनर कोई मोदी सरकार से सीखे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत टैरिफ और रूस से तेल खरीदने के जुमार्ने के तौर पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया तो इसे हुजूर का अहसान बताते हुए देश के लिए फायदेमंद बताया गया। इसके बाद फरवरी के शुरू में व्यापार समझौता हुआ और 18 प्रतिशत टैरिफ तक बात पक्की हुई तो इसे इतना बड़ा मास्टर स्ट्रोक बताया गया कि मोदीजी को सांगोपांग मालाओं से लाद दिया गया। अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने टैरिफ लगाने के फैसले को रद्द किया है तो इसे फिर से भारत के हित में बताया जा रहा है। समझ ही नहीं आ रहा है कि सरकार की नजर में फायदे की परिभाषा क्या है।

गौरतलब है कि बीते दिनों अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप द्वारा इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत लगाए गए बड़े पैमाने के टैरिफ को अवैध करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाया कि ट्रंप ने आपातकालीन शक्तियों का दुरुपयोग कर टैरिफ नहीं लगा सकते, क्योंकि इसके लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी है। हालांकि ट्रंप की हनक अब भी कम नहीं हुई, फैसले के तुरंत बाद ट्रंप प्रशासन ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत अस्थायी टैरिफ लगाए, पहले 10प्रतिशत और फिर इसे बढ़ाकर 15प्रतिशत कर दिया। भारत के लिए यह दर फिलहाल 10प्रतिशत तय की गई है, जो पहले घोषित 18प्रतिशत से कम है। ट्रंप ने शुक्रवार को ही बयान दिया कि श्भारत के साथ समझौते में कोई बदलाव नहीं है। भारत टैरिफ चुकाएगा और अमेरिका नहीं।श उन्होंने इसे श्उलटाश करार दिया, जिसमें पहले भारत अमेरिका को श्लूटश रहा था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। इस बदली स्थिति के बाद अब भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते की बातचीत भी टल गई है। वाशिंगटन डीसी में सोमवार 23 फरवरी से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक को स्थगित कर दिया गया है, जिसमें समझौते के कानूनी पाठ को अंतिम रूप देने की योजना थी। दरअसल दोनों देशों ने इस महीने की शुरूआत में एक फ्रेमवर्क पर सहमति जताई थी, जिसमें अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर टैरिफ को 18प्रतिशत तक कम करने और भारत द्वारा अमेरिकी उत्पादों की खरीद बढ़ाने का प्रावधान था। हालांकि, समझौता अभी औपचारिक रूप से हस्ताक्षरित नहीं हुआ था। भारतीय मुख्य वातार्कार और उनकी टीम की अमेरिका यात्रा, जो रविवार को निर्धारित थी, अब स्थगित कर दी गई है। दोनों पक्षों ने संयुक्त रूप से कहा है कि श्नई घटनाओं और उनके प्रभावों का मूल्यांकन करने के बादश नई तारीख तय की जाएगी। वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, टैरिफ नीति में आई इस अनिश्चितता के कारण बातचीत स्थगित की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह देरी भारत के लिए फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि अमेरिकी उत्पादों को भारतीय बाजार में तत्काल पहुंच देने की जरूरत टल गई है। समझौता अभी हस्ताक्षरित नहीं होने से भारत की कोई बाध्यता नहीं है। अब सोचने वाली बात ये है कि आखिर इन विशेषज्ञों की बात मोदी सरकार तक पहुंच रही है कि नहीं, क्योंकि जब कांग्रेस सवाल उठा रही थी कि अमेरिकी उत्पादों को खरीदने की मजबूरी से किसानों का बड़ा अहित होगा, तब तो उसका जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पीयूष गोयल को आगे कर दिया, और उन्होंने भी पुरजोर तरीके से व्यापार समझौते की वकालत की। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारत सरकार किस दिशा में कदम बढ़ाएगी, कैसे अपने हित सुरक्षित रखेगी, इसका जवाब नदारद है। पीयूष गोयल भी दृश्य में नहीं हैं। लगता है सरकार फिर किसी मास्टर स्ट्रोक वाली पटकथा का इंतजार कर रही है। बहरहाल, इस बीच संयुक्त किसान मोर्चा ने रविवार 22 फरवरी को राष्ट्रपति को भेजे गए पत्र में कहा कि मोदी सरकार अमेरिका के दबाव में झुक गई है, जिससे देश की आत्मनिर्भरता और संप्रभुता खतरे में पड़ गई है। संगठन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निर्देश देने की अपील की है कि वे किसानों के लिए हानिकारक शर्तों पर यह समझौता हस्ताक्षर न करें। एसकेएम ने आरोप लगाया कि अंतरिम व्यापार समझौते की शर्तें भारतीय अर्थव्यवस्था और किसानों के लिए घातक हैं। उन्होंने कहा, श्वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, जो मुख्य वातार्कार हैं, के सभी बयानों से यही साबित होता है कि सरकार अमेरिका के आदेशों के सामने खड़ी होने में असमर्थ या अनिच्छुक है। वो लगातार झूठ बोल रहे हैं। मोदी सरकार की नाकाबिलियत कई तरीके से जाहिर हो चुकी है, अफसोस कि उसे नजरंदाज करने की भूल बार-बार हो रही है।

# वैश्विक सम्मेलनों में विरोध प्रदर्शन के साथ भारत जीना सीखे, असहिष्णुता अनुचित

> हिंसा न होने पर गंभीर आरोप लगाने से इरादे और आनुपातिक कार्रवाई पर बहस होती है। वैश्विक सम्मेलनों ने लंबे समय से न सिर्फ सरकार के प्रमुखों और कॉर्पोरेट के अगुवों के लिए बल्कि उनका विरोध करने वालों के लिए भी एक वैश्विक मंच दिया है। विरोध अभियानों ने सीखा है कि जहां टेलीविजन कैमरे, राजनयिक और नीति निर्धारक इकट्ठ होते हैं, वहां इकट्ठ होना, उच्चस्तरीय बैठकों को राजनयिकता के साथ-साथ असहमति का अखाड़ा बना देता है। व्यापार वाताओं से लेकर पर्यावरण सम्मेलनों तक, संगठित विरोध प्रदर्शन भद्रलोक के विचार-विमर्श के लिए एक उम्मीद की जाने वाली साथी बन गए हैं, जिन्हें ध्यान खींचने के लिए आयोजित किया जाता है जो अन्यथा हाशिये पर काम करने वाले आन्दोलनकारी अभियान चलाने वालों के लिए उपलब्ध नहीं होता। अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की बैठकें इस रूझान को खास तौर पर साफ दिखाती हैं।

के रवींद्रन

भारत में सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों की एक लंबी परंपरा रही है, भ्रष्टाचार विरोधी आन्दोलन से लेकर किसान आंदोलनों तक, जिनमें से कई मीडिया की कड़ी जांच के बीच सामने आए हैं। जबकि सरकारों को लोक व्यवस्था को नियंत्रित करने वाले कानूनों को लागू करने का हक है, हिंसा न होने पर गंभीर आरोप लगाने से इरादे और आनुपातिक कार्रवाई पर बहस होती है। वैश्विक सम्मेलनों ने लंबे समय से न सिर्फ सरकार के प्रमुखों और कॉर्पोरेट के अगुवों के लिए बल्कि उनका विरोध करने वालों के लिए भी एक वैश्विक मंच दिया है। विरोध अभियानों ने सीखा है कि जहां टेलीविजन कैमरे, राजनयिक और नीति निर्धारक इकट्ठ होते हैं, वहां इकट्ठ होना, उच्चस्तरीय बैठकों को राजनयिकता के साथ-साथ असहमति का अखाड़ा बना देता है। व्यापार वाताओं से लेकर पर्यावरण सम्मेलनों तक, संगठित विरोध प्रदर्शन भद्रलोक के विचार-विमर्श के लिए एक उम्मीद की जाने वाली साथी बन गए हैं, जिन्हें ध्यान खींचने के लिए आयोजित किया जाता है जो अन्यथा हाशिये पर काम करने वाले आन्दोलनकारी अभियान चलाने वालों के लिए उपलब्ध नहीं होता। अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की बैठकें इस रूझान को खास तौर पर साफ दिखाती हैं। दशकों से, उनकी सालाना और वसन्त ऋतु में आयोजित होने वाली बैठकों ने मितव्ययिता नीतियों, व्यापार की ढांचागत शर्तों या स्थितियों और विकास को वित्तपोषित करने का प्राथमिकताओं की आलोचना करने वाले नागरिक संगठनों के गुटों को आकर्षित किया है। इनमें से कुछ ग्रुप को उन्हीं संस्थानों से अनुदान या तकनीकी समर्थन मिलता है जिनकी वे आलोचना करते हैं, जो बहुपक्षीय शासन के दिल में एक उलझन को दिखाता है। ब्रेटन वुड्स इंस्टीट्यूशन्स ने परामर्श तौर-तरीके विकसित किए हैं जो गैर-सरकारी संगठनों को अधिकारियों से जुड़ने, समानांतर फोरम

में हिस्सा लेने और निर्धारित ढांचागत व्यवस्था में असहमति दर्ज करने की इजाजत देते हैं। असल में, वैश्विक वित्त की कोरियोग्राफी में विरोध और बातचीत एक साथ होते हैं। ऐसे प्रदर्शनों को अक्सर विनियमित किया जाता है, आयोजन के अधिकारियों के साथ समन्वित किया जाता है और बातचीत की गई जगहों से घिरा होता है। वे संस्थाओं को कार्यक्रम और नीतियों के विरोध का एक बैरोमीटर देते हैं, साथ ही आन्दोलनकारियों को वह सामने आने को अवसर देते हैं जो सिर्फ एक वैश्विक प्लेटफॉर्म ही दे सकता है। बहुपक्षीय एजेंसियां खुद इन विरोधों की निगरानी को नियंत्रित नहीं करती हैंय कानून लागू करना आयोजक सरकारों का खास अधिकार बना हुआ है। यहां तक कि उन इलाकों में भी जहां जनता के जमा होने के सख्त कानून हैं, वैश्विक बैठकों में किसी न किसी तरह की असहमति देखी गई है, चाहे वह तय जगहों तक ही सीमित हो या प्रतीकात्मक कामों के जरिए जाहिर की गई हो। इसलिए, विरोध का होना न तो नया है और न ही स्वाभाविक रूप से अस्थिर करने वाला। यह तो एक आपस में जुड़ी दुनिया में खुले राजनीतिक मुकाबले की एक खासियत है। इस पृष्ठभूमि में, दिल्ली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के सदस्यों का शर्ट उतारकर विरोध प्रदर्शन एक जाने-पहचाने तौर-तरीके में फिट बैठता है। ज्यादातर बातों के मुताबिक, यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण और छोटा था, जिसका मकसद टकराव के बजाय इमेज बनाना था। इसी तरह के काम अलग-अलग महादेशों में आर्थिक, पर्यावरणीय और प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलनों में हुए हैं, जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के अस्तित्व के लिए खतरा नहीं माना गया। दिल्ली की घटना को जो बात अलग बनाती है, वह है आधिकारिक प्रतिक्रिया की गंभीरता। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और उन पर आरोप लगाए, जिनके बारे में आलोचकों का कहना है कि वे प्रदर्शन के चरित्र के हिसाब से ज्यादा हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इस काम को देश का अपमान बताया, और भाजपा कार्यकताओं ने इसमें कथित तौर पर शामिल होने को लेकर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय तक मार्च किया। इस बयानबाजी ने एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन को देशभक्ति और सार्वजनिक व्यवस्था का सवाल बना दिया है, जिससे असहमति और आपराधिकता के बीच की रेखा धुंधली हो गई है। यह प्रतिक्रिया एक बड़े राजनीतिक माहौल को दिखाता है जिसमें विरोध को अक्सर सोच-समझकर किया गया विरोध के बजाय एक विध्वंसक गतिविधि माना जाता है। प्रशासन के समर्थकों का कहना है कि सख्त निगरानी से हालात बिगड़ने से रुकते हैं और हिस्सा लेने वालों की सुरक्षा होती है। फिर भी, शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों को गिरफ्तार करने के नजरिए से एक अलग संकेत जाने का खतरा है। लोकतंत्र ने ऐतिहासिक रूप से वैश्विक जांच के समय असहमति को जगह दी है, इस भरोसे के साथ कि नियंत्रित विरोध प्रदर्शन से उनकी हैसियत कम नहीं होती। एआई शिखर सम्मेलन की घटना पर नई दिल्ली का नजरिया ज्यादा टकराव वाला रवैया दिखाता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक स्ट्रेटेजिक सेक्टर के तौर पर उभर रहा है, जिसका असर आर्थिक विकास, रक्षा और डिजिटल सम्प्रभुता पर पड़ रहा है। सरकार ने देश को वैश्विक एआई गवर्नेंस में एक प्रमुख आवाज के तौर पर स्थापित करने के लिए राजनीतिक पूंजी निवेश किया है। भारत में सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों की एक लंबी परंपरा रही है, भ्रष्टाचार विरोधी आन्दोलन से लेकर किसान आंदोलनों तक, जिनमें से कई मीडिया की कड़ी जांच के बीच सामने आए हैं। जबकि सरकारों को लोक व्यवस्था को नियंत्रित करने वाले कानूनों को लागू करने का हक है, हिंसा न होने पर गंभीर आरोप लगाने से इरादे और आनुपातिक कार्रवाई पर बहस होती है। इस घटना पर एआईसीसी के खिलाफ मार्च निकालने का भाजपा का फैसला राजनीतिक ड्रामा की एक परत जोड़ता है। कानून लागू करने वाली एजेंसियों को एक छोटी सी चूक को संभालने देने के बजाय, इस मुद्दे को पार्टी के टकराव में बदल दिया गया है। वैश्विक शिखर सम्मेलन की राजनीति में हमेशा अलग-अलग तरह की बातें शामिल रही हैं। सरकारें काबिलियत और अधिकार दिखाना चाहती हैंय विरोध करने वाले दूसरे दावों से उस बात को कमजोर करना चाहते हैं। बहुपक्षीय संस्थाओं ने सीखा है कि कुछ हद तक विरोध को जगह देने से तनाव कम हो सकता है और खुलापन दिखाया जा सकता है। सुरक्षा की आखिरी जिम्मेदारी आयोजक देशों की ही होती है, लेकिन ध्यान रहे कि उनकी प्रतिक्रियाओं का लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के संकेत के तौर पर ही जांच की जाती है।

# एआई यानि बदलनी होगी पढ़ाई

> अगर इसके साथ इंटर्नशिप या व्यावहारिक ज्ञान न हो। केवल सैद्धांतिक शिक्षा नौकरी नहीं दिलाती। कई पारंपरिक नौकरियां अब एआई द्वारा की जा रही हैं। वैसे भी इस दौर में कुछ विषय अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। वैसे भी वर्तमान समय में एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग भारत में 15 लाख स्कूल, 85 लाख से अधिक प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक और प्रतिवर्ष 26 करोड़ से अधिक छात्र स्कूल प्रणाली में दाखिला लेते हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में, प्रतिवर्ष 1000 से अधिक विश्वविद्यालयों और 42000 कॉलेजों में 4 करोड़ से अधिक छात्र दाखिला लेते हैं। हालांकि, भारतीय शिक्षा प्रणाली में निश्चित पाठ्यक्रम, पुरातन शिक्षा वितरण मॉडल और स्थिर परीक्षा अवधारणाएं हावी हैं। इससे शिक्षा और समकालीन कार्य कौशल के बीच एक गहरी खाई पैदा हो गई है। ऐसी स्थिति में यादि यदि डिग्री के साथ हुनर नहीं है तो वह सिर्फ एक कागज का टुकड़ा है। यही कारण है कि केवल डिग्री के सहारे रोजगार खोजने वाले लगभग कई करोड़ लोग आज भी बेरोजगारों की श्रेणी में खड़े है। हमारी शिक्षा प्रणाली का पाठ्यक्रम काफी पुराना हो चुका है और इस पर कई बार चर्चा हो चुकी है, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकल पाया है। मौजूदा पाठ्यक्रम की बात करें तो यह तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहा है, और यही कारण है कि यह आज के बेहद उन्नत वैश्विक उद्योग के अनुरूप नहीं है। अधिकतर पाठ्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों का जिक्र ही नहीं होता, बल्कि वही पुरानी बातें दोहराई जाती हैं।

प्रेम शर्मा

आज के बदलते दौर में, विशेषकर एआई के उदय के बाद, पारंपरिक बीए, बीकॉम, बीएससी, थिएटर आर्ट्स, फैशन डिजाइनिंग, और पत्रकारिता जैसी कई डिग्रियां, जिनमें व्यावहारिक कौशल की कमी है, बेकार साबित हो सकती हैं। ये डिग्रियां केवल कागजी साबित होती हैं, अगर इसके साथ इंटर्नशिप या व्यावहारिक ज्ञान न हो। केवल सैद्धांतिक शिक्षा नौकरी नहीं दिलाती। कई पारंपरिक नौकरियां अब एआई द्वारा की जा रही हैं। वैसे भी इस दौर में कुछ विषय अब प्रासंगिक नहीं रह गए हैं। वैसे भी वर्तमान समय में एक अनुमान के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग भारत में 15 लाख स्कूल, 85 लाख से अधिक प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षक और प्रतिवर्ष 26 करोड़ से अधिक छात्र स्कूल प्रणाली में दाखिला लेते हैं। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में, प्रतिवर्ष 1000 से अधिक विश्वविद्यालयों और 42000 कॉलेजों में 4 करोड़ से अधिक छात्र दाखिला लेते हैं। हालांकि, भारतीय शिक्षा प्रणाली में निश्चित पाठ्यक्रम, पुरातन शिक्षा वितरण मॉडल और स्थिर परीक्षा अवधारणाएं हावी हैं। इससे शिक्षा और समकालीन कार्य कौशल के बीच एक गहरी खाई पैदा हो गई है। ऐसी स्थिति में यादि यदि डिग्री के साथ हुनर नहीं है तो वह सिर्फ एक कागज का टुकड़ा है। यही कारण है कि केवल डिग्री के सहारे रोजगार खोजने वाले लगभग कई करोड़ लोग आज भी बेरोजगारों की श्रेणी में खड़े है। हमारी शिक्षा प्रणाली का पाठ्यक्रम काफी पुराना हो चुका है और इस पर कई बार चर्चा हो चुकी है, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकल पाया है। मौजूदा पाठ्यक्रम की बात करें तो यह तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रहा है, और यही कारण है कि यह आज के बेहद उन्नत वैश्विक उद्योग के अनुरूप नहीं है। अधिकतर पाठ्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों का जिक्र ही नहीं होता, बल्कि वही पुरानी बातें दोहराई जाती हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान स्नातक होने के बाद दिखता है, जब आपके पास आधुनिक कंपनियों की जरूरत के कौशल नहीं होते। यही वजह है कि रोजगार दर अभी भी इतनी कम है जबकि कार्यबल अनुपात बढ़ रहा है। कक्षा में दी गई शिक्षा और व्यावहारिक क्रियान्वयन के बीच एक स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। अपने चुने हुए क्षेत्रों में, कई भारतीय स्नातक वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को तैयार नहीं पाते हैं। जबकि तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों में दुनिया भर में अभी सबसे ज्यादा जोर आधुनिक तकनीकों के विकास और इस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा नवाचार के प्रयोग पर दिया जा रहा है। सभी देश अपनी विकास नीतियों में अद्यतन तकनीकों को अपना रहे हैं और पारंपरिक तरीके से होने वाले बहुत सारे कामों का स्वरूप अब बदल रहा है। खासतौर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी एआइ के फैलते दायरे ने वैश्विक स्तर पर कामकाज के तौर-तरीकों और उसमें इंसानी भूमिका पर व्यापक असर डाला है। एआई तकनीक के चलते अमरीका और चीन ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियॉ हासिल कर ली है। वर्तमान समय में तकनीक के मामले में जितनी तेज रफ्तार से नवाचार का प्रयोग हुआ है, सभी जरूरी क्षेत्रों में एआइ का दायरा फैला है, उसमें इस पर चर्चा जरूरी हो जाती है कि इसकी संभावनाओं और उम्मीदों के साथ-साथ इससे जुड़ी आशंकाओं पर भी विचार हो। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि विकास के किसी स्वरूप से अंतिम तौर पर आम लोग प्रभावित होते हैं और कोई भी तकनीक इसी कसौटी पर देखी जाएगी कि उससे मनुष्य का कितना समग्र हित सुनिश्चित हो सका और दुनिया की ज्यादातर आबादी के लिए वह कितनी उपयोगी साबित हुई।यह एक जगजाहिर तथ्य है कि दुनिया आज तकनीकी विकास के अगले चरण में प्रवेश कर चुकी है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता इसका एक सबसे अहम औजार बनने जा रही है। दिल्ली में आयोजित इंडिया-एआइ इम्पैक्ट समिट, 2026 में इस संदर्भ में जितने आयाम सामने आए, वे बताते हैं कि दुनिया भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ केंद्रित बदलाव अब विकास की नई परिभाषा गढ़ने जा रहा है। इसमें भारत की एक अहम भूमिका होगी और खासतौर पर वैश्विक दक्षिण या विकासशील देशों में इसे नेतृत्वकारी भूमिका में देखा जा रहा है। एआइ का इस्तेमाल अब केवल सुरक्षा के मुद्दे तक केंद्रित नहीं रहा बल्कि आज विकास के क्षेत्र में समावेशी, पारदर्शी तथा जिम्मेदार सुशासन के तौर पर इसकी भूमिका का विस्तार हो रहा है।

# सांप्रदायिक तत्व देश की शांति में आग लगाने पर तुले

> विज्ञान के जमाने में हम कैसी युवा पीढ़ी तैयार कर रहे हैं, जो उत्तराखंड राज्य में सूफी फकीर बाबा बुल्ले शाह की मजार पर हथियार लेकर तोड़-फोड़ कर रही है और वहां गंदी भाषा बोलते हुए पेशाब करके गर्व महसूस कर रही है। ऐसी हरकतें उन शब्दों का नतीजा हैं, जो देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने युवाओं के नाम एक भाषण में कहे थे, अब मुगल बादशाहों के जुल्मों का बदला लेने का समय आ गया है। अब ङ्कषहदुओं के पवित्र स्थलों, धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में मुसलमानों के शामिल होने पर रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है। जिन नौजवान लड़के-लड़कियों के हाथों में साइंस की किताबें होनी चाहिएं, जबान पर प्यार होना चाहिए, भाईचारे और एक-दूसरे की धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करने वाले शब्द होने चाहिएं, वे जय श्री राम का नारा लगाकर दूसरे धर्मों को मानने वालों को मारने और उनका अपमान करने में गर्व महसूस करते हैं। जब कोई धार्मिक जलूस दूसरे धर्म के धार्मिक स्थल के सामने से गुजरता है, तो शरारती लोग जानबूझकर भड़काऊ नारे लगाते हैं और कुछ ही पलों में शांतिपूर्ण माहौल को जंग के मैदान में बदल देते हैं। कानून और व्यवस्था की मशीनरी समय पर कोई कदम नहीं उठाती। और जब कानूनी कार्रवाई करती भी है, तो वह निष्पक्षता के आधार पर नहीं होती। हिंदू गुरु शंकराचार्य (अविमुक्तेश्वरानंद) के साथ हिंदूवादी संगठनों के कार्यकत्ताओं ने जो बुरा बर्ताव किया, उसने हिंदू धर्म के कीमती इंसानी मूल्यों को चकनाचूर कर दिया है। ऐसा ही बर्ताव संघ परिवार के लोगों ने क्रिसमस के धार्मिक त्यौहार के मौके पर ईसाइयों के साथ किया।

अलग-अलग तरह के सांप्रदायिक तत्व अपनी जहरीली बातों और हिंसक कामों से देश के शांत माहौल को खराब करने पर तुले हुए हैं। केंद्र सरकार, न्यायपालिका, कार्यपालिका और देश की पूरी नौकरशाही यह सब चुपचाप तमाशबीन बनकर देख रही हैं। यह साफ है कि इनका एक बड़ा हिस्सा संघ के सांप्रदायिक फासीवाद से प्रभावित होकर या डर के मारे हिंसा फैलाने वाले संगठनों और गुंडों का मददगार बन गया है। विज्ञान के जमाने में हम कैसी युवा पीढ़ी तैयार कर रहे हैं, जो उत्तराखंड राज्य में सूफी फकीर बाबा बुल्ले शाह की मजार पर हथियार लेकर तोड़-फोड़ कर रही है और वहां गंदी भाषा बोलते हुए पेशाब करके गर्व महसूस कर रही है। ऐसी हरकतें उन शब्दों का नतीजा हैं, जो देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने युवाओं के नाम एक भाषण में कहे थे, अब मुगल बादशाहों के जुल्मों का बदला लेने का समय आ गया है। अब ङ्कषहदुओं के पवित्र स्थलों, धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में मुसलमानों के शामिल होने पर रोक लगाने का आदेश जारी किया गया है। जिन नौजवान लड़के-लड़कियों के हाथों में साइंस की किताबें होनी चाहिएं, जबान पर प्यार होना चाहिए, भाईचारे और एक-दूसरे की धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करने वाले शब्द होने चाहिएं, वे जय श्री राम का नारा लगाकर दूसरे धर्मों को मानने वालों को मारने और उनका अपमान करने में गर्व महसूस करते हैं। जब कोई धार्मिक जलूस दूसरे धर्म के धार्मिक स्थल के सामने से गुजरता है, तो शरारती लोग जानबूझकर भड़काऊ नारे लगाते हैं और कुछ ही पलों में शांतिपूर्ण माहौल को जंग के मैदान में बदल देते हैं। कानून और व्यवस्था की मशीनरी समय पर कोई कदम नहीं उठाती। और जब कानूनी कार्रवाई करती भी है, तो वह निष्पक्षता के आधार पर नहीं होती। हिंदू गुरु शंकराचार्य (अविमुक्तेश्वरानंद) के साथ हिंदूवादी संगठनों के कार्यकत्ताओं ने जो बुरा बर्ताव किया, उसने हिंदू धर्म के कीमती

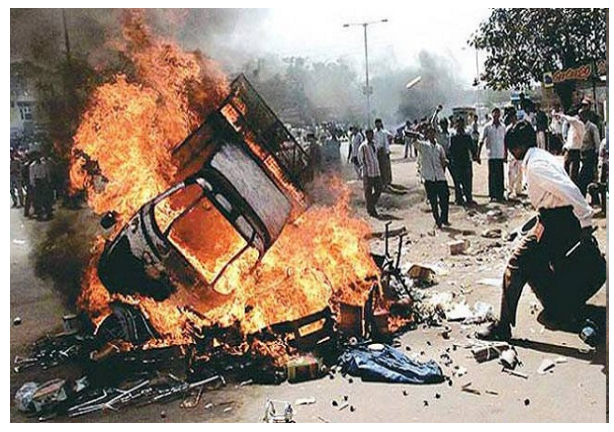

इंसानी मूल्यों को चकनाचूर कर दिया है। ऐसा ही बर्ताव संघ परिवार के लोगों ने क्रिसमस के धार्मिक त्यौहार के मौके पर ईसाइयों के साथ किया। शिक्षण संस्थानों में लगने वाले वामपंथ तुम्हारी कब्र खुदेगी भारत में जैसे भद्दे और भड़काऊ नारे देश में भाईचारे की लड़ाई शुरू करने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा हैं। इतिहास से मुगल राज को हटाने और मुस्लिम धर्म से जुड़े धार्मिक स्थलों, शहरों, सड़कों, इंस्टीच्यूशंस और इमारतों के नाम बदलने से भले ही मुस्लिम धर्म को कोई नुकसान न हो लेकिन इससे भारत की अनेकता में एकता की सोच जरूर खत्म हो जाएगी। जिस गलत परंपरा (धर्म के आधार पर दो राष्ट्रों की थ्योरी) के आधार पर 1947 में मुस्लिम लीग और ब्रिटिश साम्राज्य की सोची-समझी साजिश के तहत भारत को 2 हिस्सों में बांटकर धर्म के आधार पर एक देश पाकिस्तान बनाया गया था, हमारे आज के हुक्मरान 21वीं सदी में भी वही बड़ी गलती दोहराना चाहते हैं। यह कैसी देशभक्ति की भावना है? अपने धर्म के प्रति समर्पण से किसी दूसरे धर्म के लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ता लेकिन जब धर्म का धंधा करने वाले तत्व अपने धर्म का गुणगान करते हैं और दूसरे धर्मों के लोगों को काफिर कहते हैं, तो ये शब्द बहुत बुरा और दुश्मनी पैदा करने वाला है। लखनऊ में मुस्लिम युवाओं को यह कहकर पतंगबाजी के खेल में हिस्सा न लेने का आदेश देना कि यह त्यौहार मुसलमानों का नहीं है, असल में खेल और सामाजिक त्यौहारों जैसे विषयों और रीति-रिवाजों में कड़वाहट और नफरत पैदा करने का खेल है।वोट पाने के लिए सत्ताधारी दलों द्वारा धर्म और धार्मिक पंथों का गलत इस्तेमाल न सिर्फ धर्मों की इंसानी परंपराओं को खत्म कर रहा है, बल्कि मौजूदा लोकतांत्रिक प्रणाली भी खोखली होती जा रही है। पैसे, पावर और ताकत के इस्तेमाल से डैमोक्रेटिक सिस्टम पहले ही अमीर लोगों की रखैल बन चुका है। साम्राज्यवादी ताकतें हमेशा ऐसे मौके की तलाश में रहती हैं जब वे देश की संकटग्रस्त आर्थिक स्थिति का फायदा उठाकर अपने हितों को बढ़ावा दे सकें। साथ ही, वे विभाजनकारी, सांप्रदायिक और देश-विरोधी तत्वों को बढ़ावा देकर भारत की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने का पूरा प्रयास करती हैं। भारत की आर्थिक और भौगोलिक मजबूती के लिए विभिन्न धर्मों, जातियों, भाषाओं, संस्कृतियों और सामाजिक परिस्थितियों के लोगों की आपसी एकता और सद्भाव बहुत जरूरी है।

## सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री व गृह मंत्री से मिले योगी

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री एवं व्यापार और उद्योग मंत्री गान किम योंग तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के समन्वय मंत्री और गृह मंत्री के. शनमुगम से मुलाकात की। चर्चा का केंद्र उत्तर प्रदेश में शहरी नियोजन, आंतरिक सुरक्षा ढांचे और डिजिटल गवर्नेंस में सिंगापुर की विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रहा।गान किम योंग के साथ बातचीत में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के श्प्रो-बिजनेसश वातावरण पर जोर दिया। उन्होंने राज्य के विशाल लैंड बैंक और शीघ्र ही नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर से मिलने वाली कनेक्टिविटी को रेखांकित किया। बैठक में दिल्ली एनसीआर में सिंगापुर की कंपनियों द्वारा औद्योगिक टाउनशिप स्थापित करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई, जिसमें सेमीकंडक्टर निर्माण और ग्रीन हाइड्रोजन मॉड्यूल पर विशेष फोकस रहा।के. शनमुगम के साथ संवाद में मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश में बेहतर होती कानून-व्यवस्था के आधुनिकीकरण पर चर्चा की, जिसमें सिंगापुर के तकनीक-एकीकृत पुलिसिंग मॉडल और आपदा प्रबंधन प्रोटोकॉल पर विशेष ध्यान दिया गया।

# क्या फैटी लिवर से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है? जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

फैटी लिवर और हार्ट अटैक, दोनों ही बीमारियां गंभीर होती हैं और इनका सीधा संबंध हमारी जीवनशैली से है। आजकल फैटी लिवर की समस्या तेजी से बढ़ रही है और कई लोग इस सवाल से परेशान रहते हैं कि क्या फैटी लिवर से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है?

इस सवाल का जवाब देते हैं भारत के जाने-माने लिवर विशेषज्ञ डॉ. शिव कुमार सरीन, जो कहते हैं कि लिवर शरीर का एक ऐसा अंग है जो हमारे बाकी अंगों की सेहत से जुड़ा हुआ है। अगर लिवर कमजोर होता है, तो उसका असर दिल, किडनी, ब्लड प्रेशर और यहां तक कि कैंसर जैसी बीमारियों तक पहुंच सकता है।

कैसे बढ़ता है हार्ट अटैक का खतरा?

जब किसी को फैटी लिवर की बीमारी होती है, तो लिवर में चर्बी जमा हो जाती है। इससे लिवर की काम करने की क्षमता घट जाती है और खाना पचाने में दिक्कत आती है। इसके कारण शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) का स्तर बढ़ने लगता है जैसे-जैसे खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, दिल की धमनियों में ब्लॉकेज बनने लगता है, जिससे हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट का खतरा बढ़ जाता है। फैटी लिवर और हार्ट अटैक के कुछ लक्षण भी एक जैसे होते हैं जैसे-

मोटापा

हाई ब्लड प्रेशर

हाई शुगर लेवल

एक्सपर्ट्स ने बताए बचाव के उपाय

वजन कंट्रोल में रखें

अपने वजन को अपनी ऊंचाई के अनुसार संतुलित रखना बहुत जरूरी है। उदाहरण के लिए, अगर आपकी हाइट 170 सेंटीमीटर है, तो आपका वजन लगभग 70 किलो के आसपास होना चाहिए। यह वजन आपकी सेहत और लिवर दोनों के लिए अनुकूल माना जाता है। फैटी लिवर की समस्या वाले लोगों को खासतौर पर वजन कम करने पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि अतिरिक्त वजन लिवर पर अतिरिक्त दबाव डालता है और वसा जमा होने की प्रक्रिया तेज कर देता है। अगर आपकी फैटी लिवर की समस्या जेनेटिक यानी परिवार में पहले से है, तो डॉक्टर वजन को और कम, करीब 65 किलो तक रखने की सलाह देते हैं। नियमित व्यायाम और सही खान-पान के साथ वजन नियंत्रित करना लिवर को स्वस्थ बनाए रखने का एक अहम तरीका है।

कमर पतली रखें

फैटी लिवर से जुड़ी समस्याओं को कम करने के लिए अपनी कमर का माप भी बहुत मायने रखता है। महिलाओं के लिए वेस्ट-हिप रेशियो यानी कमर और हिप के अनुपात को 0.7 और पुरुषों के लिए 0.9 तक बनाए रखना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर माना जाता है। डॉ. सरीन बताते हैं कि अक्सर लोग अपनी कमर के अनुसार कपड़े नहीं बल्कि कपड़ों के हिसाब से अपनी फिटनेस को तौलते हैं, जो गलत है। इसका मतलब यह है कि आपको अपनी कमर को फिट रखने के लिए खुद को व्यायाम और संतुलित आहार के जरिए तैयार करना होगा। नियमित एक्सरसाइज से न केवल वजन घटता है बल्कि शरीर में जमा अतिरिक्त फैट भी कम होता है, जो लिवर और दिल दोनों के लिए फायदेमंद है।

गर्दन पर मस्से और काली लाइनें

यदि आपकी गर्दन के पास मस्से या काली रेखाएं यानी ह्यमैलह्ल जैसी निशानियां दिखने लगें, तो यह फैटी लिवर की शुरूआती चेतावनी हो सकती हैं। यह त्वचा पर एक तरह का संकेत होता है जो बताता है कि आपके शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस या लिवर की समस्या बढ़ रही है। ऐसे लक्षणों को नजर अंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये संकेत जल्दी जांच और इलाज की जरूरत बताते हैं। अगर आपको ये निशान दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और अपनी पूरी जांच करवाएं ताकि समय रहते लिवर की बीमारी का पता चल सके और उसका सही उपचार शुरू हो।

देसी घी खाएं

आजकल बाजार में कई तरह के तेल उपलब्ध हैं, लेकिन लिवर की सेहत के लिए घर का बना हुआ शुद्ध देसी घी सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है। तेल के मुकाबले देसी घी लिवर को नुकसान नहीं पहुंचाता बल्कि उसे स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। देसी घी में स्वस्थ वसा होती हैं जो शरीर में आवश्यक ऊर्जा देती हैं और लिवर की सफाई में भी सहायता करती हैं। ध्यान रखें कि घी की मात्रा सीमित और उचित होनी चाहिए, ज्यादा घी भी नुकसान पहुंचा सकता है। रोजाना की डाइट में घी को शामिल करना, खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जिनका लिवर कमजोर है या फैटी लिवर की समस्या से जूझ रहे हैं।

क्या न करें?

बाहर का तला-भुना और पैक्ड फूड खाने से बचें।

मीठे और ज्यादा फैट वाले खाद्य पदार्थ न खाएं।

रोजाना वॉक और एक्सरसाइज करें।

अगर परिवार में फैटी लिवर या हार्ट की बीमारी रही है, तो नियमित रूप से जांच करवाएं।

फैटी लिवर के लक्षण

लगातार थकान महसूस होना

पेट के ऊपरी दाहिने हिस्से में दर्द

पेट फूला हुआ लगना या सूजन

वजन तेजी से घटना

स्किन में खुजली और पैरों में सूजन

फैटी लिवर कोई मामूली बीमारी नहीं है। यह अगर समय रहते न सुधारी जाए, तो हार्ट अटैक जैसी गंभीर स्थिति पैदा कर सकती है। इसलिए जरूरी है कि समय पर जांच कराएं, अपनी लाइफस्टाइल सुधारें और डॉक्टर की सलाह का पालन करें।

## मिनटों में छिल जाएगा लहसुन, बस ट्राई कर लें ये सिंपल तरीका

लहसुन खाना बनाने में स्वाद बढ़ाने के लिए सबसे खास सामग्री है। जितना लहसुन किसी भी खाने के जायके को बढ़ाता है, उतना ही इसके छोटे-छोटे कलियों को छीलना मुश्किल और समय लेने वाला काम लगता है। कई बार लहसुन की कलियां छीलते-छीलते हाथ भी थक जाते हैं और ये काम कई लोगों के लिए झंझट बन जाता है। अगर आप भी लहसुन छीलने में होने वाली इस परेशानी

से परेशान हैं और कोई ऐसा आसान तरीका ढूंढ रहे हैं जिससे ये काम जल्दी और आराम से हो सके, तो हम आपकी मदद कर सकते हैं। यहां हम एक ऐसी ट्रिक लेकर आए हैं, जिसकी मदद से आप बड़ी आसानी से और तेजी से लहसुन की कलियां छील सकते हैं।

लहसुन छीलने का आसान तरीका

इस काम के लिए आपको एक बड़ा चाकू चाहिए होगा। सबसे पहले, लहसुन की कलियों को चाकू की मदद से आधा काट लें। यानी हर कली को बीच से आधा काटना होगा। फिर, कटे हुए हिस्से को नीचे रखते हुए लहसुन की कली को चाकू की हथेली से दबाएं। इस दबाव से लहसुन की छिलका आसानी से खुल जाएगी और आप मिनटों में कई कलियों को छील पाएंगे।

इस तकनीक में लगेगा बस कुछ सेकंड

यह तरीका करने में आपको मुश्किल से 4 से 5 सेकंड लगेंगे। इस तरह से आप एक मिनट में आधा किलो लहसुन आसानी से छील सकते हैं। इसके अलावा, आप एक साथ कई कलियों को दबाकर एक बार में छीलने का काम भी कर सकते हैं। यह नई ट्रिक न केवल आपकी मेहनत कम करेगी, बल्कि आपके किचन के काम को भी सरल और तेज बनाएगी। अगर आप इस लहसुन छीलने के आसान तरीके को अपना लेते हैं, तो आपको इस काम में कभी झंझट महसूस नहीं होगी। इससे आप अपने समय की बचत कर पाएंगे और अपने मनपसंद स्वादिष्ट व्यंजन जल्दी से बना सकेंगे। अगली बार जब भी आपको लहसुन छीलना हो, तो इस आसान और तेज तकनीक को जरूर अपनाएं। इससे आपका कुकिंग एक्सपीरियंस और भी बेहतर हो जाएगा और किचन का काम आसान होगा।

## हरियाली तीज पर बनाएं स्वाद से भरपूर वेज थाली, जानें आसान रेसिपी

सावन का महीना इसलिए भी बेहद खास होता है, क्योंकि इस पूरे महीने में कई त्योहार आते है। इन्हीं त्योहारों में शामिल है हरियाली तीज का त्योहार। ये त्यौहार हरियाली, प्रेम, सौंदर्य और सौभाग्य का प्रतीक होता है और भगवान शिव व माता पार्वती के पुनर्मिलन की खुशी में मनाया जाता है। हर साल हरियाली तीज सावन

महीने की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है, और इस साल ये तिथि 27 जुलाई को पड़ रही है। ऐसे में इस बार 27 जुलाई को हरियाली तीज मनाई जाएगी। इस दिन घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। इसी के चलते हम आपको इस लेख में वेज थाली की आसान रेसिपी बताने जा रहे हैं, ताकि आप भी अपने घर पर आसान विधि से स्वादिष्ट पकवान तैयार कर सकें। पनीर मटर की सब्जी बनाने का सामान 200 ग्राम पनीर 1 कप मटर 2 टमाटर 1 छोटा टुकड़ा अदरक 2 हरी मिर्च ०चम्मच हल्दी, 1 चम्मच धनिया पाउडर, नमक स्वाद अनुसार

2 चम्मच तेल, हरा धनिया विधि मटर पनीर की स्वादिष्ट सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले टमाटर, हरी मिर्च और अदरक को पीसकर पेस्ट बना लें। इसके बाद एक कढ़ाही में तेल गर्म करें और उसमें तैयार टमाटर का पेस्ट को डालें। पेस्ट के साथ ही कढ़ाही में हल्दी, धनिया पाउडर और नमक डालें। अब इसे लगातार भूनें, जब तल की तेल ऊपर न आ जाए। मसाला भुनने के बाद इसमें उबली हुई मटर और पनीर डालें। अब आखिर में 5झ7 मिनट पकाएं, हरा धनिया डालें और सर्व करें।

जीरा आलू बनाने का सामान 4 उबले आलू 1 चम्मच जीरा 1-2 हरी मिर्च, नमक, हल्दी, तेल हरा धनिया

इस जीरा आलू को बनाने के लिए सबसे पहले आलुओं को उबालकर ठंडा करें और काट लें। अब पैन में तेल गरम करें।

## मां-बाप के लिए बना दें पेरेंट्स डे को यादगार, जानिए 5 इमोशनल और असरदार तरीके

मां-बाप से बड़ा कोई रिश्ता नहीं होता है। हर इंसान की जिंदगी में माता-पिता सबसे पहला और सबसे मजबूत सहारा होते हैं। वो चुपचाप आपके लिए सब कुछ करते हैं, बिना कुछ मांगे, बिना थके। ऐसे में एक दिन अगर सिर्फ उनके नाम हो, तो क्या आप नहीं चाहेंगे कि वो दिन उनके लिए कुछ खास हो? हर साल जुलाई के चौथे रविवार को अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में नेशनल पेरेंट्स डे मनाया जाता है। भारत में भी इस दिन को माता-पिता के प्रति आभार जताने और उनके बलिदानों को याद करने के लिए सेलिब्रेट किया जाता है। इस साल 27 जुलाई 2025 को पेरेंट्स डे मनाया जा रहा है। अगर आप इस बार पेरेंट्स डे को खास बनाना चाहते हैं, तो यहां कुछ आसान और दिल से जुड़े तरीके बताए जा रहे हैं।

**भावना से जुड़ा खास तोहफा**

कभी-कभी सबसे खूबसूरत गिफ्ट वह होता है जो खुद से बनाया गया हो। तोहफे से ज्यादा भावना मायने रखती है। इसलिए गिफ्ट ऐसा हो जो आपकी भावनाओं की अभिव्यक्ति करें। फिर चाहे वो एक छोटा सा कार्ड हो, उनके लिए तैयार किया गया मनपसंद खाना हो या बचपन की कोई पुरानी फोटो को फ्रेम कर

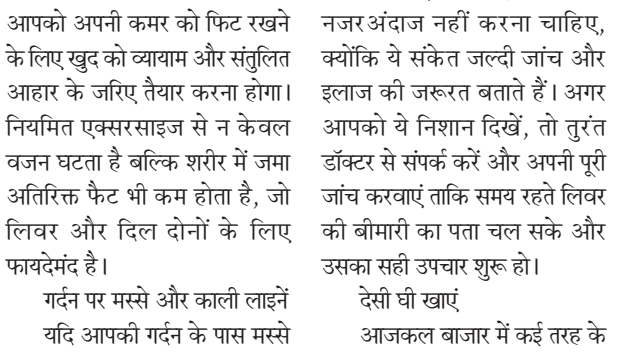

देना हो। इससे उन्हें महसूस होगा कि आप सच में उन्हें याद करते हैं।

**उनकी पसंद को समझें**

माता-पिता ये भलीभांति जानते हैं कि उनके बच्चे को क्या पसंद है और क्या नहीं। अभिभावक अपने बच्चों की पसंद को ही अपना बना लेते हैं और खुद की पसंद-नापसंद को नजरअंदाज करते हैं। बच्चों को ये जानना चाहिए कि उनके अभिभावक को क्या पसंद है। अपने हाथों से उनका मनपसंद खाना बनाकर उन्हें सरप्राइज कर सकते हैं। अगर वह किसी जगह को घूमने की ख्वाहिश रखते हैं तो इस दिन उन्हें यहां ले जाएं ताकि उनकी इच्छा पूरी हो सके।

**संघर्ष और बलिदानों को स्वीकारें**

माता-पिता बच्चे को एक अच्छी जीवन और भविष्य देने के लिए कई त्याग करते हैं। अपनी पसंद, शौक और सपनों को छोड़ देते हैं। बच्चों द्वारा उनके संघर्ष और बलिदान को याद करना और स्वीकार करना माता-पिता के लिए किसी सम्मान से कम नहीं होता। इस दिन के लिए एक छोटा सा वीडियो बनाएं जिसमें उनके जीवन के संघर्ष, परवरिश और उनके प्यार के लिए शुक्रिया अदा किया जाए। या फिर एक इमोशनल लेटर लिखें, जो उन्हें आपकी भावनाओं से जोड़ दे।

**सेहत का रखें ख्याल**

माता-पिता अपने बच्चों की स्वास्थ्य की फिक्र तब से करने लगते हैं जब वह भ्रूण में होते हैं। बड़े होते बच्चों की सेहत का ध्यान रखते-रखते माता-पिता खुद के स्वास्थ्य की परवाह करना ही भूल जाते हैं। बच्चों का फर्ज है कि वह भी अपने माता-पिता की सेहत का ख्याल रखें। पेरेंट्स डे पर आप उनके लिए एक हेल्थ चेकअप पैकेज बुक कर सकते हैं या उन्हें योग क्लास या वॉक पर जाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। आप उनके साथ हेल्दी खाना खाएं और उन्हें मोटिवेट करें।

**वक्त दें**

माता-पिता को अपने बच्चों से सिर्फ उनका वक्त चाहिए होता है। आज की व्यस्त जीवनशैली में लोगों के पास अपने माता-पिता से बात करने का भी वक्त नहीं होता है।

## बिना वैक्सिंग-रेजर के साफ करें अनचाहे बाल, ये नुस्खे इसमें करेंगे आपकी मदद

त्वचा पर आने वाले अनचाहे बालों को हटाने के लिए ज्यादातर लोग या तो वैक्सिंग का सहारा लेते हैं, और या फिर रेजर इस्तेमाल करते हैं। इन दोनों की वजह से ही एक समय के बाद स्किन डैमेज होने लगती है। इसीलिए घर की महिलाएं टीनेएज लड़कियों को वैक्सिंग और रेजर इस्तेमाल

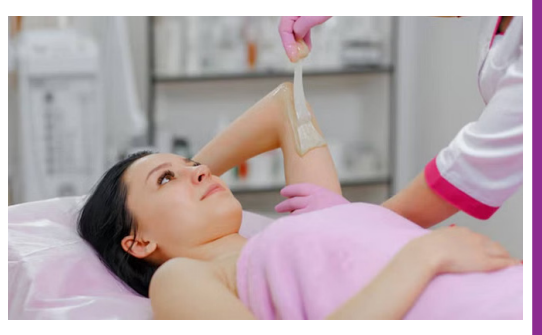

करने से मना करती हैं। ऐसे में ये लेख आपके लिए है। दरअसल, क्या आप जानती हैं कि बिना वैक्सिंग या रेजर के भी आप आसानी से घर पर कुछ प्राकृतिक और घरेलू उपायों से इन बालों को धीरे-धीरे कम कर सकते हैं। यहां हम आपको इन्हीं नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं। खास बात ये हैं कि ये तरीके बेहद सुरक्षित हैं।

**पहला नुस्खा**

इस नुस्खे को ट्राई करने के लिए आपको बेसन के साथ-साथ, हल्दी और दूध की जरूरत पड़ेगी, जोकि हर भारतीय घर में बड़ी ही आसानी से मिल जाता है।

**इस्तेमाल का तरीका**

इस नुस्खे को आजमाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में बेसन लेकर उसमें चुटकी भर हल्दी डालें। अब आखिर में दूध मिक्स करके इसका पेस्ट तैयार कर लें। पेस्ट बनाने के बाद इसे अपनी त्वचा के अनचाहे बालों वाले हिस्से पर लगाएं और 15-20 मिनट तक सूखने दें। जब ये सूखने लगे तो हल्के हाथ से रगड़कर धो लें। आप इस पेस्ट का इस्तेमाल नियमित रूप से कर सकते हैं, जिससे आपकी त्वचा के अनचाहे बाल अपने आप ही कम होने लगेंगे।

**दूसरा तरीका**

अनचाहे बालों को हटाने का दूसरा नुस्खा भी काफी आसान है। इसके लिए 1 कप चीनी, 1/4 कप पानी और 1/4 कप नींबू का रस की जरूरत पड़ेगी।

**इस्तेमाल का तरीका**

इस नुस्खे को आजमाने के लिए सबसे पहले तो चीनी और पानी को पकाएं जब तक चीनी घुलकर गाढ़ा सिरप जैसा न बन जाए। फिर नींबू का रस मिलाएं और ठंडा होने पर अपनी त्वचा पर अप्लाई करें। अब 4-5 मिनट इसे ऐसे ही लगा रहने दें और फिर हल्के हाथ से उंगलियों से रगड़कर निकालें। ये वैक्सिंग जैसा असर देता है। यदि आप इसे सही से ट्राई करेंगी तो इससे भी त्वचा के अनचाबे बाल हट जाएंगे।

**तीसरा तरीका**

इस तीसरे नुस्खे को ट्राई करने के लिए आपको सिर्फ दो चीजों की जरूरत पड़ेगी। इन दो चीजों में आलू और पपीता शामिल है।

**इस्तेमाल का तरीका**

इस तीसरे नुस्खे को ट्राई करने के लिए सबसे पहले तो आलू और पपीते को अच्छी तरह से कद्दूकस कर लें। इन दोनों चीजों को कद्दूकस करने के बाद आपस में मिक्स कर लें। अब इसे अपनी उस त्वचा पर लगाएं, जहां अनचाहे बाल हों। 5-7 मिनट में जब ये सूख जाए को हाथ से रगड़कर इसे साफ कर लें। ये बालों को कमजोर करता है, जिससे वे खुद ही झड़ जाते हैं।

# हृदय रोग, कैंसर से लेकर डिमेंशिया और डिप्रेशन तक से होगा बचाव, बना लीजिए बस ये एक आदत

शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए सक्रिय रहना सबसे जरूरी माना जाता है। सक्रिय रहने का मतलब आमतौर पर लोग जिम जाने, भारी मेहनत वाले व्यायाम करने से निकालते हैं। हालांकि इस भागदौड़ और व्यस्त दुनिया में सभी लोगों के लिए रोजाना जिम के लिए समय निकाल पाना कठिन हो सकता है। ऐसे लोग नियमित रूप से वॉक करने की आदत बनाकर भी विशेष लाभ प्राप्त कर सकते हैं। पहले के कई अध्ययनों में विशेषज्ञों की टीम बताती रही है कि रोजाना 10 हजार कदम चलने की आदत आपको कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे से बचाने में मददगार हो सकती है। इसी से संबंधित अब एक हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों ने डेली वॉक करने की आदत के और भी कई व्यापक लाभ के बारे में बताया है। द लैंसेंट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित हालिया रिपोर्ट में टीम ने बताया कि अगर आप रोजाना 10 हजार कदम नहीं चल पाते हैं, रोजाना 7000 कदम भी चल लेते हैं तो इससे आपको कई

**10 हजार कदम नहीं चल पाते तो 7000 भी सही**

ब्रिटेन के नेशनल हेल्थ सर्विसेज

प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। शोध के अनुसार वॉक करने की ये आदत डिमेंशिया और अवसाद जैसी गंभीर समस्याओं के खतरे को कम करने में भी आपके लिए मददगार हो सकती है। ब्रेन के साथ हृदय स्वास्थ्य के लिए भी इसके लाभ देखे गए हैं।

(एनएचएस) के विशेषज्ञ सभी लोगों को हर दिन कम से कम 10 मिनट तेज गति से वॉक करने की सलाह देते हैं। अब शोधकताओं ने गणना की है अगर आप सात हजार कदम भी चल लेते हैं तो ये अच्छी सेहत के लिए पर्याप्त हो सकता है। इस अध्ययन के दौरान वैज्ञानिकों की टीम ने 1.60 लाख से अधिक वयस्कों के डेटा की जांच की और पाया कि प्रतिदिन 7,000 कदम चलने से शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित कई गंभीर स्थितियों और मृत्यु का खतरा कम हो सकता है।

**हृदय रोग, कैंसर से लेकर डिमेंशिया और डिप्रेशन तक में मिलेगा लाभ**

वॉक करने और इससे होने वाले फायदों को लेकर पिछले अध्ययनों में मुख्यरूप से इसके हृदय स्वास्थ्य, कैंसर से बचाव या समग्र मृत्यु दर कम होने के बीच संबंधों की जांच की जाती रही थी। इस शोध से पता चलता है कि वॉक करना हृदय रोग और कैंसर से तो आपको बचाता ही है साथ ही इससे डिमेंशिया और डिप्रेशन जैसे गंभीर मस्तिष्क से संबंधित समस्याओं के खतरे को कम किया जा सकता है। शोधकताओं ने पाया कि प्रतिदिन 2,000 कदम चलने वालों की तुलना में, 7,000 कदम चलने की आदत कैंसर से मृत्यु के जोखिमों को 37% तक कम कर सकती है। इतना ही नहीं इतना ही वॉक करना टाइप-2 डायबिटीज के खतरे को 14%, डिमेंशिया के खतरे को 38%, डिप्रेशन को 22% और शारीरक असंतुलन या गिरने के जोखिमों को 28% तक कम कर सकती है। रोज 7000 कदम चलने का आदत से हृदय रोग के जोखिम में 25% की कमी आई और असमय मृत्यु का खतरा 47% तक कम हो सकता है।

**क्या कहते हैं विशेषज्ञ?**

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आप जितना भी चलते हैं, इसकी गुणवत्ता या तीव्रता से ज्यादा ये जरूरी है कि आप चल रहे हैं, यानी शारीरिक रूप से सक्रिय हैं। सिडनी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर ऑफ पब्लिक हेल्थ मेलोडी डिंग कहती हैं, जो लोग पहले से ही 10,000 कदम चल चुके हैं, उन्हें 7,000 कदम नहीं चलना चाहिए, लेकिन जो लोग वर्तमान में निष्क्रिय हैं, उनके लिए 7,000 कदम चलना अधिक व्यावहारिक लक्ष्य है। वहीं, यूनिवर्सिटी ऑफ पोर्ट्समाउथ में क्लिनिकल एक्सरसाइज फिजियोलॉजी के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. एंड्रयू स्कॉट ने बताया कि जो लोग वजन उठाने वाले व्यायाम के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं उनके लिए वॉक करना बहुत उपयोगी हो सकता है। हालांकि इसकी साइकिल चलाने, तैराकी और नौकायन जैसी गतिविधियों के साथ तुलना करना बाकी है।

## भारत-थाईलैंड मैत्री प्रगाढ़, इनबाउंड टूरिज्म को बढ़ावा-जयवीर

लखनऊ,(संवाददाता)। भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में मंगलवार को आस्था और बौद्ध संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। थाई मोनेस्ट्री कुशीनगर की ओर से पांच दिवसीय समारोह के अंतिम दिन 17वीं पवित्र श्बुद्ध धातु शोभा यात्राश हाथी-घोड़े गाजे-बाजे के साथ निकाली गई।शोभायात्रा से संपूर्ण बुद्ध स्थली धम्ममय हो उठी। विशेषकर थाईलैंड से पहुंचे बौद्ध श्रद्धालुओं, भिक्षुओं और पर्यटकों की उपस्थिति ने इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। मुख्य अतिथि महाराज यतींद्र मोहन प्रताप मिश्रा तथा थाई राजदूत चवानाथ थानसून फांट की गरिमामय उपस्थिति के बीच थाईलैंड से आए बौद्ध भिक्षुओं ने बुद्ध वंदना की। मंगलवार सुबह शोभायात्रा महापरिनिर्वाण मंदिर से निकली, जो रामाभार स्तूप में पूजन-वंदन के बाद संपन्न हुई। थाई बौद्ध धर्म गुरु फ्रा था थेप बोधियोंग और थाई मंदिर के प्रमुख भिक्षु फ्राविडेश्रेयिन डॉ. पी सोम पोंग की देखरेख में विशेष पूजा-अर्चना की गई। शोभायात्रा में थाईलैंड के अलावा नेपाल, तिब्बत, उत्तर प्रदेश, लद्दाख और हिमालयी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे बौद्ध धर्मावलंबियों की गरिमामय उपस्थिति रही। हजारों स्थानीय के साथ 200 से अधिक विदेशी बौद्ध श्रद्धालु पवित्र यात्रा का हिस्सा बने।

# तारिक की फिरकी या सॉल्ट-जोस की तूफानी बल्लेबाजी

**पल्लेकेल।** टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 में इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच अहम मुकाबला खेला जाएगा। पाकिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक चर्चा में हैं, लेकिन इंग्लैंड के लियाम डॉसन ने कहा कि टीम किसी एक खिलाड़ी से नहीं डरेगी। यह मैच सेमीफाइनल की दिशा तय कर सकता है और स्पिन की जंग अहम भूमिका निभाएगी। टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 चरण में मंगलवार को इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला पल्लेकेले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शाम सात बजे से खेला जाएगा। टूर्नामेंट के इस अहम चरण में दोनों टीमों के लिए यह मैच सेमीफाइनल की दिशा तय कर सकता है। ग्रुप चरण में दोनों टीमों का प्रदर्शन लगभग समान रहा। पाकिस्तान और इंग्लैंड ने चार-चार मुकाबलों में तीन-तीन जीत दर्ज की और एक-एक मैच गंवाया। अब सुपर-8 में हर जीत का महत्व दोगुना हो गया है। पिच और हालात का समीकरण पल्लेकेले की पिच आमतौर पर शुरूआत में बल्लेबाजी

के अनुकूल रहती है। नई गेंद से थोड़ी स्विंग और उछाल मिल सकती है, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है, विकेट धीमा हो जाता है। ऐसे में स्पिनरों की भूमिका निर्णायक हो सकती है। अगर पिच नंबर पांच का इस्तेमाल किया जाता है तो बल्लेबाजों को शुरूआत में रन बनाने का मौका मिल सकता है, लेकिन मिडिल ओवर्स में स्पिनर खेल का रुख बदल सकते हैं। उस्मान तारिक की चर्चा, इंग्लैंड बेफिक्र पाकिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक इस टूर्नामेंट में काफी चर्चा में रहे हैं। खासतौर पर ऑफ-ब्रेक डालने से पहले उनका रुककर गेंदबाजी करना बल्लेबाजों को चकित करता है। हालांकि इंग्लैंड के अनुभवी स्पिनर लियाम डॉसन का कहना है कि उनकी टीम किसी एक खिलाड़ी पर फोकस नहीं कर रही। उन्होंने मैच से पहले कहा, 'यह सब तारिक के बारे में नहीं है। पाकिस्तान बहुत खतरनाक खिलाड़ियों वाली टीम है। जाहिर तौर पर तारिक अच्छे गेंदबाज हैं, लेकिन हम सिर्फ उन्हीं पर ध्यान नहीं देंगे। हम पूरी टीम के खिलाफ रणनीति बनाएंगे।' इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को नेट्स में तारिक के एक्शन की नकल करते देखा गया, जिससे साफ है कि टीम ने तैयारी पूरी कर ली है। स्पिन बनाम स्पिन की जंग इंग्लैंड ने पिछले मैच में श्रीलंका को 51 रन से हराया था। उस मुकाबले में डॉसन, विल जैक्स और आदिल राशिद ने मिलकर सात विकेट झटके। डॉसन ने कहा, 'हम सब अलग-अलग तरह के स्पिनर हैं। जैक्स को ज्यादा बाउंस मिलता है, राशिद के पास कई वैरिएशन हैं। मैं शायद ज्यादा डिफेंसिव स्पिनर हूं, लेकिन मेरा रोल टीम के लिए कंसिस्टेंट रहना है।' दूसरी ओर पाकिस्तान के पास तारिक के अलावा शादाब खान, अबरार अहमद और मोहम्मद नवाज जैसे स्पिन विकल्प मौजूद हैं। इंग्लैंड के टॉप ऑर्डर के स्पिन के खिलाफ संघर्ष को देखते हुए यह मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। इंग्लैंड ५२ पाकिस्तान हेड टू हेड अब तक टी20 में इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीमें 31 बार आमने-सामने आ चुकी हैं। इनमें से 20 बार इंग्लैंड ने जीत हासिल की, जबकि पाकिस्तान की टीम नौ बार ही जीत पाई है। एक मैच टाई रहा और एक मैच बेनतीजा रहा। वहीं, टी20 विश्वकप की बात करें तो इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीमें तीन बार आमने-सामने आई हैं और तीनों बार इंग्लैंड ने जीत दर्ज की है। सेमीफाइनल की राह अगर इंग्लैंड यह मुकाबला जीत लेता है तो वह सुपर-8 में टॉप-दो में जगह बनाकर सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा सकता है। वहीं पाकिस्तान के लिए भी यह मैच करो या मरो जैसा है। दोनों टीमों के बीच मुकाबला सिर्फ दो देशों की टक्कर नहीं, बल्कि रणनीति, स्पिन विविधता और दबाव में प्रदर्शन की परीक्षा भी होगा। इंग्लैंड बनाम पाकिस्तान मुकाबला सुपर-8 का सबसे रोमांचक मैच साबित हो सकता है। एक ओर पाकिस्तान की मिस्ट्री स्पिन है, तो दूसरी ओर इंग्लैंड की संतुलित स्पिन और आक्रामक बल्लेबाजी। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए दोनों टीमों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

## कौन सी खबर पर भड़के शिखर धवन? फैंस से क्लिकबेट और झूठे बयानों से दूर रहने को कहा

**नई दिल्ली।** शिखर धवन ने दूसरी शादी के बाद सोशल मीडिया पर फैले झूठे बयानों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी अतीत का बोझ नहीं उठाया और सकारात्मकता में विश्वास करते हैं। धवन ने लोगों से अपील की कि उनके नाम पर गलत और भ्रामक बयान न फैलाएं। शिखर धवन ने अपनी दूसरी शादी के बाद निजी जीवन को लेकर सोशल मीडिया पर फैलाए जा रहे कथित झूठे बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में उन्होंने सोफी शाइन से विवाह किया है। इससे पहले अक्तूबर 2023 में वह अपनी पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी से अलग हो गए थे। विवाद तब शुरू हुआ जब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हुई, जिसमें दावा किया गया कि धवन ने कहा था कि उनकी पूर्व पत्नी ने उन्हें ताना मारा था कि 'कोई तुमसे शादी नहीं करेगा।' पोस्ट में यह भी लिखा गया कि दोबारा शादी करके धवन ने इस कथित टिप्पणी का करारा जवाब दिया है। हालांकि, धवन ने साफ शब्दों में इन दावों को खारिज किया और कहा कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया। 'मैं अतीत का बोझ नहीं उठाता' धवन ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए लिखा, 'मैंने सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट देखीं, जिनमें मेरे निजी जीवन से जुड़ा एक निराशाजनक बयान मेरे नाम से जोड़ा गया है। मैंने कभी अतीत का बोझ नहीं उठाया, चाहे वह मैदान पर हो या मैदान के बाहर। मैं सकारात्मकता की ताकत में विश्वास करता हूं और अपने अतीत का सम्मान करता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह मेरे जीवन का नया अध्याय है और मुझे अपने फैंस, दोस्तों, परिवार, शुभचिंतकों और मीडिया से मिले प्यार और आशीर्वाद के लिए बेहद आभार है। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि सोशल मीडिया पर क्लिकबेट, असंवेदनशील और झूठे बयानों के लिए मेरे नाम का इस्तेमाल न करें। आइए प्यार और सकारात्मकता फैलाएं। धन्यवाद!' धवन की इस प्रतिक्रिया को उनके प्रशंसकों ने काफी सराहा। कई लोगों ने उनके संयमित और सकारात्मक रुख की तारीफ की।

## टी20 विश्वकप जीतने का बन रहा गजब का संयोग! 2007 की तरह इस बार भी हुआ ऐसा

**नई दिल्ली।** टी20 विश्वकप 2026 के सुपर-8 में दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की हार के बाद भारत की राह मुश्किल हो गई है और नेट रन रेट भी -3.80 हो गया है। हालांकि 2007 की तरह इस बार भी भारत ने ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान को हराया और सुपर-8 का पहला मैच गंवाया है। तब टीम इंडिया ने शानदार वापसी कर खिताब जीता था। अब सेमीफाइनल की उम्मीद जिंदा रखने के लिए भारत को जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के

खिलाफ बड़ी जीत के साथ अन्य नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। टी20 विश्वकप 2026 में फिलहाल टीम इंडिया की हालत अच्छी नहीं है। भारत को सुपर-8 के अपने पहले मुकाबले में ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 76 रन से मिली इस हार से भारतीय टीम का नेट रन रेट भी बिगड़ गया। हालांकि, एक ऐसा संयोग बन रहा है, जो बताता है कि टीम इंडिया अभी भी विश्व चैंपियन बन सकती है। उसमें वापसी करने और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करने का दमखम है। हालांकि, क्या ऐसा हो पाएगा, यह तो वक्त ही बताएगा। फैंस इस संयोग को सोशल मीडिया पर खूब शेयर कर रहे हैं। आइए पहले जानते हैं कि वह संयोग क्या है... अब यह देखने वाली बात होगी कि जैसा 2007 में हुआ था, वैसा कुछ इस बार होता है या नहीं। भारत को किस्मत का भी साथ चाहिए। अगर दक्षिण अफ्रीका अपने बाकी के दोनों मैच जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीतती है तो भारत के लिए सिर्फ दो जीत ही पर्याप्त होगा। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका की टीम अगर एक भी मैच हारी तो नेट रन रेट का खेल हो सकता है। इस स्थिति में भारत चाहेगा कि फिर दक्षिण अफ्रीका अपने बाकी दोनों मैच हार जाए। साथ ही टीम इंडिया वेस्टइंडीज के साथ जिम्बाब्वे को हराए। फिर वेस्टइंडीज और भारत के चार-चार अंक होंगे और ये दोनों टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। भारतीय टीम के लिए आगे का रास्ता कठिन है, पर नामुमकिन कुछ भी नहीं।

# 16 साल पहले आज के दिन ही लगा था पहला दोहरा शतक; तेंदुलकर ने वनडे क्रिकेट को नए मुकाम तक पहुंचाया

**मुंबई।** 24 फरवरी 2010 को ग्वालियर में सचिन तेंदुलकर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 147 गेंदों में नाबाद 200 रन बनाकर वनडे क्रिकेट का पहला दोहरा शतक जड़ा और इतिहास रच दिया। भारत ने 401/3 का विशाल स्कोर खड़ा

कर 153 रन से जीत दर्ज की। यह पारी सीमित ओवरों में बल्लेबाजी की सोच बदलने वाली साबित हुई। क्रिकेट इतिहास में 24 फरवरी का दिन बेहद ऐतिहासिक रहा है। इस दिन पहली बार किसी बल्लेबाज ने वनडे क्रिकेट में 200 रन के आंकड़े को छुआ था। यह कारनामा मास्टर-ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर ने ग्वालियर स्थित कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम में 24 फरवरी 2010 को किया था। उस समय तक सीमित ओवरों के क्रिकेट में दोहरा शतक सिर्फ एक सपना था। तेंदुलकर ने इस सपने को हकीकत में बदलने का काम किया था। सचिन तेंदुलकर के वनडे क्रिकेट में पहले दोहरे शतक ने बल्लेबाजों की सोच को बदला। इस पारी ने यह साबित किया कि सीमित ओवरों में भी धैर्य, फिटनेस और निरंतर आक्रामकता से बड़े स्कोर संभव हैं, जिससे बाद में कई खिलाड़ियों ने नई ऊंचाइयां छुईं। पुरुषों के वनडे इतिहास में आज तक 12 बार दोहरा शतक लगाए गए हैं। आइए, भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच उस ऐतिहासिक मुकाबले के बारे में विस्तार से जानते हैं। दक्षिण अफ्रीका को हर हाल में चाहिए थी जीत भारतीय टीम तीन मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच एक रन के करीबी अंतर से अपने नाम कर चुकी थी। यहां से दक्षिण अफ्रीका को सीरीज में बने रहने के लिए हर हाल में जीत की दरकार थी, लेकिन कौन जानता था कि सीरीज के दूसरे मुकाबले में सचिन तेंदुलकर कुछ ऐसा कर देंगे, जो शायद ही किसी ने सोचा हो। सचिन और सहवाग ओपनिंग करने आए भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी। सचिन तेंदुलकर के साथ वीरेंद्र सहवाग बतौर सलामी बल्लेबाज मैदान पर आए। इस जोड़ी ने भारत को तेज शुरूआत दिलाई। दोनों खिलाड़ी 3.4 ओवरों में 25 रन जोड़ चुके थे, लेकिन अगली गेंद पर वेन पार्नेल ने सहवाग को डेल स्टेन के हाथों कैच आउट करवा दिया। सहवाग 11 गेंदों में एक चौके के साथ नौ रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद तेंदुलकर ने दिनेश कार्तिक के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने दूसरे विकेट के लिए 194 रन टीम के खाते में जोड़े। इस बीच कार्तिक ने 85 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों के साथ 79 रन बनाए। यूसुफ और सचिन की शानदार साझेदारी यूसुफ पठान चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे, जिन्होंने तेंदुलकर के साथ तीसरे विकेट के लिए 81 रन जुटाकर टीम को 300 के स्कोर तक पहुंचा दिया। पठान ने 36 रन का योगदान टीम के खाते में दिया, जिसके बाद कप्तान महेंद्र सिंह धोनी (नाबाद 68) बल्लेबाजी के लिए उतरे और तेंदुलकर के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन की अटूट साझेदारी करते हुए स्कोर 401/3 तक पहुंचाया। 147 गेंदों में 200 रन बनाकर नाबाद रहे सचिन पारी की शुरूआत करने मैदान पर उतरे तेंदुलकर पारी के अंत तक मोर्चा संभाले रहे। इस बीच तेंदुलकर ने 147 गेंदों में तीन छक्कों और 25 चौकों के साथ नाबाद 200 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से वेन पार्नेल ने सर्वाधिक दो विकेट निकाले, जबकि रोएलोफ वान डर मर्व ने एक विकेट अपने नाम किया। दक्षिण अफ्रीका की टीम को हार मिली थी इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम 42.5 ओवरों में महज 248 रन पर सिमट गई। टीम इंडिया ने मैच 153 रन से अपने नाम किया। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से एबी डी विलियर्स ने 101 गेंदों में 15 बाउंड्री के साथ 114 रन बनाए, जबकि हाशिम अमला ने 34 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को शर्मनाक हार से बचा नहीं सके। भारत की तरफ से श्रीसंत ने 49 रन देकर तीन विकेट निकाले। उनके अलावा, आशीष नेहरा, रवींद्र जडेजा और यूसुफ पठान ने दो-दो विकेट हासिल किए। एक विकेट प्रवीण कुमार के नाम रहा। सीरीज के शुरूआती दोनों मैच गंवाकर दक्षिण अफ्रीकी टीम के हाथों से वनडे सीरीज निकल गई थी, लेकिन मेहमान टीम ने अहमदाबाद में खेले गए अंतिम मैच को 90 रन से जीतकर सम्मान बचा लिया।

## कैफ ने रणनीति पर उठाए सवाल, टीम चयन से लेकर बुमराह के इस्तेमाल और दुबे की गेंदबाजी तक पर साधा निशाना

**नई दिल्ली।** दक्षिण अफ्रीका से 76 रन की हार के बाद मोहम्मद कैफ ने भारत की रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सात से 15 ओवर के बीच मैच हाथ से निकला और बुमराह का सही उपयोग नहीं हुआ। शिवम दुबे की गेंदबाजी पर भी उन्होंने आलोचना की और टीम संतुलन सुधारने की सलाह दी। भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की 76 रन की हार पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उनका मानना है कि टीम इंडिया ने मुकाबला सातवें से 15वें ओवर के बीच गंवाया, जब डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस की साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया। इसके अलावा उन्होंने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी, जसप्रीत बुमराह के इस्तेमाल, छह बाएं हाथ के बल्लेबाजों को खिलाने और शिवम दुबे की गेंदबाजी पर भी निशाना साधा। बुमराह के इस्तेमाल पर सवाल कैफ ने खास तौर पर जसप्रीत बुमराह के इस्तेमाल पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'हम मैच सात से 15 ओवर के बीच हार गए। आपने बुमराह के दो ओवर पहले करा दिए और बाकी दो डेथ के लिए बचाकर रखे। लेकिन रोहित शर्मा ने कभी बुमराह का ऐसा इस्तेमाल नहीं किया।' कैफ ने आगे कहा, 'बुमराह मिडिल ओवर में एक ओवर डालकर साझेदारी तोड़ते थे। इस टीम में बुमराह से बड़ा मैच विनर कोई नहीं है। उन्हें पावरप्ले में एक ओवर और फिर 11वें या 12वें ओवर में लाना चाहिए था।' रोहित की रणनीति का जिक्र कैफ ने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की रणनीति का हवाला देते हुए कहा कि रोहित अक्सर पावरप्ले के बाद बुमराह को मिडिल ओवर में वापसी कराते थे, जिससे बड़ी साझेदारी टूटती थी। हालांकि इस मुकाबले में बुमराह ने पावरप्ले में क्विंटन डिकॉक और रेयान रिकेल्टन के अहम विकेट लिए, लेकिन बाद में उन्हें 17वें ओवर में वापस लाया गया, तब तक दक्षिण अफ्रीका 152/5 के मजबूत स्कोर पर पहुंच चुका था। दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ भारत का 12 मैचों का अजेय क्रम तोड़ा और 76 रन से बड़ी जीत दर्ज की। शिवम दुबे पर भी निशाना कैफ ने शिवम दुबे के गेंदबाजी उपयोग पर भी सवाल खड़े किए। दुबे ने दो ओवर में 32 रन दिए।

## भारत ने पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया को 215 रन का लक्ष्य दिया, मंधाना-हरमनप्रीत ने जड़े अर्धशतक

**ब्रिस्बेन।** टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 48.3 ओवरों में 214 रन बनाए। स्मृति मंधाना (58) और हरमनप्रीत कौर (53) ने अर्धशतक जड़े, लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाजों का साथ न दे पाना टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोक गया। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 215 रन का लक्ष्य मिला है। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के सामने वनडे सीरीज के पहले मैच में जीत के लिए 215 रन का लक्ष्य रखा है। टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 सीरीज 2-1 से जीतने के बाद वनडे सीरीज पर भी कब्जा जमाने के इरादे से उतरी है। ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम 48.3 ओवरों में महज 214 रन पर सिमट गई। भारत की शुरूआत खराब रही। टीम इंडिया को मैच की दूसरी ही गेंद पर प्रतीका रावल (0) के रूप में बड़ा झटका लगा, उस समय तक टीम का खाता नहीं खुला था। यहां से स्मृति मंधाना ने शेफाली वर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 25 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। शेफाली ने इस पारी में फैंस को निराश किया। वह 17 गेंदों में सिर्फ 4 ही रन बना सकीं। मंधाना ने जेमिमा रोड्रिगेज (8) के साथ तीसरे विकेट के लिए 27 रन जुटाकर टीम को 50 के पार पहुंचाया। जेमिमा के पवेलियन लौटने के बाद मंधाना ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ चौथे विकेट के लिए 72 गेंदों में 48 रन जोड़कर भारत का शतक पूरा करवाया। मंधाना 68 गेंदों में 7 चौकों के साथ 58 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद कप्तान कौर ने पारी को संभाला। हरमनप्रीत कौर ने 84 गेंदों में 53 रन की पारी खेली, जिसमें 3 चौके शामिल रहे। इस दौरान उन्होंने ऋचा घोष के साथ 37 रन, जबकि काश्वी गौतम के साथ 53 रन टीम के खाते में जोड़े। ऋचा घोष ने 38 गेंदों में 2 चौकों के साथ 23 रन बनाए, जबकि काश्वी ने 44 गेंदों में 43 रन की पारी खेलकर भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एश्ले गार्डनर ने 33 रन देकर सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि मेगन शट्ट ने 2 विकेट निकाले। डार्सी ब्राउन, अलाना किंग, ताहलिया मैकग्राथ और सोफी मोलिनेक्स ने 1-1 विकेट निकाला।

## क्रिकेट के भगवान के सामने झुका अंपायर का सिर: स्टीव बकनर का वर्षों बाद कबूलनामा माना- सचिन को गलत आउट दिया था

**नई दिल्ली।** स्टीव बकनर ने ब्रिस्बेन 2003 और सिडनी 2005 में सचिन तेंदुलकर को दिए गए गलत फैसलों को मानवीय भूल बताते हुए स्वीकार किया है। उन्होंने माना कि ये उनके करियर की बड़ी गलतियां थीं। सचिन ने तब भी मयार्दा बनाए रखी, जिससे उनकी महानता और खेल भावना उजागर होती है। क्रिकेट इतिहास में कुछ फैसले ऐसे होते हैं, जो स्कोरकार्ड से ज्यादा फैंस की यादों में दर्ज हो जाते हैं। ऐसा ही एक दौर था जब क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के खिलाफ अंपायर स्टीव बकनर के फैसले विवादों में रहे। पांच दिनों के भीतर दो बार सचिन को गलत आउट दिए जाने की घटनाओं ने फैंस को झकझोर दिया था। उस समय डिसिजन रिव्यू सिस्टम (ऊमर) नहीं था, इसलिए फैसले पलटे नहीं जा सकते थे। सचिन हर बार सिर झुकाकर मैदान छोड़ देते, लेकिन प्रशंसकों के दिल में कसक रह जाती। अब वर्षों बाद बकनर ने उन गलतियों के लिए सचिन से

माफी मांगी है। ब्रिस्बेन 2003: जब गेंद स्टंप्स के ऊपर थी पहला वाकया 2003 में ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन टेस्ट का है। गाबा के मैदान पर जेसन गिलेस्पी की गेंद पर बकनर ने सचिन को एलबीडब्ल्यू आउट दे दिया। रिप्ले में साफ दिखा कि गेंद स्टंप्स के काफी ऊपर से जा रही थी। सचिन हैरान जरूर थे, लेकिन उन्होंने फैसले का सम्मान किया और बिना विवाद के पवेलियन लौट गए। यह उनकी खेल भावना और मयार्दा का उदाहरण था। सिडनी 2005: बल्ले से दूर थी गेंद दूसरी घटना 2005 में सिडनी में हुई। पाकिस्तान के अब्दुल रज्जाक की गेंद पर सचिन को कैच आउट दे दिया गया, जबकि गेंद उनके बल्ले से काफी दूर थी। इन दोनों फैसलों ने बकनर को भारतीय फैंस के निशाने पर ला दिया। सोशल मीडिया के दौर से पहले भी उन पर पक्षपात के आरोप लगे और उन्हें बेईमान अंपायर तक कहा गया। बकनर का कबूलनामा हाल ही में एक इंटरव्यू में स्टीव बकनर ने इन घटनाओं को याद करते हुए स्वीकार किया, 'मुझसे दो बड़ी गलतियां हुईं। पहली गलती तब हुई जब गेंद स्टंप्स के ऊपर से जा रही थी और दूसरी तब जब गेंद बल्ले को नहीं छुई थी। ऑस्ट्रेलिया में सचिन के खिलाफ वो फैसला देना मेरे करियर की उन यादों में से है, जिसे मैं सुधारना चाहता हूं।' उन्होंने इसे मानवीय भूल बताया और माना कि इतने बड़े खिलाड़ी के खिलाफ गलत फैसला देना लंबे समय तक दिमाग में रहता है। कुल 128 टेस्ट और 181 वनडे में अंपायरिंग करने वाले बकनर ने कहा कि अब डीआरएस के कारण अंपायरिंग में सुधार हुआ है और उन्होंने इस प्रणाली का विरोध करने वाले अंपायरों से फिर से सोचने का आग्रह किया। सचिन की महानता और खेल की गरिमा बकनर का यह पछतावा इतिहास तो नहीं बदल सकता, न ही सचिन के खाते में वे रन जोड़ सकता है जो वे बना सकते थे, लेकिन यह स्वीकारोक्ति खेल की गरिमा और सचिन की महानता को जरूर रेखांकित करती है। सचिन अपने पूरे करियर में कई बार गलत अंपायरिंग का शिकार हुए, लेकिन उन्होंने कभी मयार्दा नहीं छोड़ी। यही कारण है कि वे सिर्फ महान बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि महान खिलाड़ी भी माने जाते हैं। सचिन ने भी उड़ाया था बकनर का मजाक साल 2024 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले सचिन ने भी एक पोस्ट कर बकनर को निशाने पर लिया था। हालांकि, उन्होंने किसी का जिक्र नहीं किया था, लेकिन फैंस ने अंदाजा लगा लिया था कि वह किसकी बात कर रहे हैं। सचिन ने एक तस्वीर साझा की थी, जिसमें वह तीन बड़े पेड़ों के सामने बल्लेबाजी करते हुए दिख रहे थे। तीनों पेड़ इस तरह से थे कि वह विकेट जैसे दिख रहे थे। इसके कैप्शन में सचिन ने अपने फैंस से पूछा कि किस अंपायर ने स्टंप को इतना बड़ा महसूस कराया? फैंस का मानना था कि सचिन का पोस्ट बकनर द्वारा किए गए विवादास्पद निर्णयों के लिए एक स्पष्ट संकेत थे।

## रणजी फाइनल में कर्नाटक के खिलाफ जम्मू-कश्मीर ने जीता टॉस

**हुबली।** पिच रिपोर्ट की बात करें तो घास अच्छी तरह फैली हुई है, लेकिन थोड़ी सूखी लग रही है। घास सतह को अच्छी तरह संभाले रखेगी। शुरूआती समय में नमी हो सकती है और मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनरों के लिए मददगार हो सकती है। रणजी ट्रॉफी एलीट 2025-26 के खिताबी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर की टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। दोनों टीमें के लिए यह मुकाबला काफी अहम है, क्योंकि कर्नाटक क टीम नौवें

रणजी ट्रॉफी खिताब को जीतने की कोशिश करेगी, जबकि जम्मू-कश्मीर के पास पहला खिताब जीतने का मौका है। यह मुकाबला केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। पिच रिपोर्ट की बात करें तो घास अच्छी तरह फैली हुई है, लेकिन थोड़ी सूखी लग रही है। घास सतह को अच्छी तरह संभाले रखेगी। शुरूआती समय में नमी हो सकती है और मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिनरों के लिए मददगार हो सकती है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना अच्छा रहेगा। जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने टॉस जीतकर कहा कि हम पहले बल्लेबाजी करेंगे। पिच सूखी लग रही है और बाद में इसमें टर्न आ सकता है। हमने सरल रणनीति अपनाई है और भगवान की कृपा से हमने अच्छा क्रिकेट खेला है। उन्होंने कहा कि बस बुनियादी बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। हमें कुछ मजबूरी में बदलाव करने पड़े। वहीं, कर्नाटक के कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह प्रासंगिक है। मैंने तीनों मैचों में टॉस हारा है, हम भी गेंदबाजी करना चाहते थे। रणजी फाइनल तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है, कई खिलाड़ी टीम में आए हैं और अपने पहले या दूसरे सीजन में फाइनल का अनुभव करना शानदार है। हमारी टीम वही है।

## स्कॉर्पियो रुकवाकर रॉड, कुर्सी-टेबल से पीटा, घायल युवक आईसीयू में भर्ती

लखनऊ,(संवाददाता)। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में शहीद पथ स्थित एक रेस्टोरेंट के बाहर देर रात दो पक्षों में बवाल हो गया। कुछ दबंगों ने हॉर्न बजाने पर स्कॉर्पियो पर तोड़फोड़ की। उस पर सवार युवक पर क्रेटा कार चढ़ा दी। सिर पर रॉड और कुर्सी-टेबल से पीट दिया। घायल पीड़ित युवक आईसीयू में भर्ती है। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आशियाना एलडीए कॉलोनी सेक्टर-ई निवासी पीड़ित नमन भटियानी ने बताया कि वह अपने दोस्त तुषार त्यागी (निवासी सनराइज ओमेक्स आर-1) के साथ रात करीब 2.30 बजे शहीद पथ स्थित कालिका रेस्टोरेंट पर खाना खाने गए थे। वहीं पर कुछ युवकों ने केवल हॉर्न बजाने पर उसे मारा-पीटा। आरोप है कि उनकी गाड़ी का हॉर्न बजाने पर वहां पहले से मौजूद कुछ लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब गाली-गलौज का विरोध किया, तो आरोपियों ने कुर्सी-टेबल और अन्य सामान से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में तुषार त्यागी के सिर पर गंभीर चोटें आईं और वह बेहोश हो गए। नमन भटियानी ने आरोप लगाया कि उनके सिर पर लोहे के रॉड से वार किया गया था।

## इंडिया में परफॉर्म करने के लिए तैयार शकीरा

लैटिन पॉप की ग्लोबल स्टार शकीरा 19 साल बाद भारत में परफॉर्म करने वाली हैं। जानिए कहां होगा कॉन्सर्ट और कहां से आप बुक कर सकते हैं टिकट्स।

ग्लोबल स्टार शकीरा इस साल भारत में फिर से एक बार शानदार परफॉरमेंस देने वाली हैं। इस बात की पुष्टि होने के बाद उनके फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। उन्होंने पिछली बार 2007 में इंडिया में परफॉर्म किया था। अब 19 साल बाद फिर से शकीरा अपना जलवा बिखेरने इंडिया आ रही हैं।

**आगरा**

लैटिन पॉप की ग्लोबल स्टार शकीरा इस अप्रैल भारत में लगभग 19 साल बाद धमाकेदार वापसी करने जा रही हैं। दिल्ली और मुंबई में शकीरा का कॉन्सर्ट होने वाला है। 2007 में अपने ऑरल फिक्सेशन टूर के दौरान मुंबई में यादगार शो करने के बाद यह उनका पहला बड़ा कॉन्सर्ट होगा।

**दिल्ली में कहां होगा शो?**

रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनका दिल्ली कॉन्सर्ट 15 अप्रैल 2026 को होने की संभावना है, हालांकि आयोजक जल्द ही इसकी आधिकारिक तारीख की घोषणा करेंगे। यह शो दिल्ली के प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया जा सकता है, जो इंटरनेशनल स्तर के बड़े म्यूजिक इवेंट्स के लिए जाना जाता है और हजारों दर्शकों की मेजबानी कर सकता है।

**मुंबई में कहां होगा शो?**

वहीं, मुंबई में शकीरा 10 अप्रैल 2026 को परफॉर्म करेंगी। यह कॉन्सर्ट महालक्ष्मी रेस कॉर्स में आयोजित होगा, जो ओपन-एयर म्यूजिक शो के लिए मशहूर वेन्यू है।

**कहां से खरीदें टिकट?**

टिकट्स की बिक्री ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स डिस्ट्रिक्ट एप, बुक माय शो और पेटीएम इंसाइडर के जरिए की जाएगी, जहां फैंस को जनरल एडमिशन, श्क्ह और अर्ली-बर्ड पास जैसे ऑप्शन मिलेंगे। 27 फरवरी, दोपहर 12 बजे से आप टिकट्स बुक कर सकते हैं। टिकट्स 4 हजार से शुरू होंगे जो वीआईपी में 25000 तक जा सकते हैं।

## नवाजुद्दीन ने किया चित्रांगदा को इग्नोर? अवॉर्ड नाइट से वायरल हुआ वीडियो

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी हाल ही में एक इवेंट में शामिल हुए। वहां कई अन्य स्टार्स भी मौजूद थे। इस दौरान नवाजुद्दीन अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को नजरअंदाज करते दिखे। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

अभिनेता नवाजुद्दीन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वे एक इवेंट में कई फिल्मी सितारों से मुलाकात करते दिखे। मगर, वहीं बैठीं चित्रांगदा सिंह को उन्होंने नजरअंदाज कर दिया और बिना मुलाकात किए आगे बढ़ गए। नवाजुद्दीन के इस एटीट्यूड पर नेटिजन्स के मजेदार रिएक्शन आ

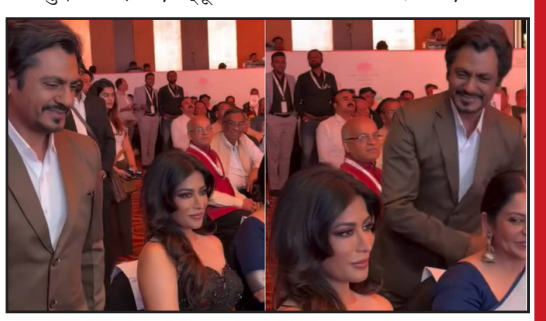

रहे हैं।

**चित्रांगदा को इग्नोर कर आगे बढ़े नवाज**

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी इवेंट में पहुंचते हैं। वे सिद्धांत चतुर्वेदी से मिलते हैं। फिर फातिमा सना शेख से भी मुलाकात करते हुए एक दो अन्य स्टार्स से मिलते हैं। मगर, वहीं बैठीं चित्रांगदा सिंह को इग्नोर कर आगे बढ़ जाते हैं। चित्रांगदा भी नवाजुद्दीन को देख उन्हें नजरअंदाज करती नजर आती हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

**नेटिजन्स ने किए मजेदार कमेंट्स**

नवाजुद्दीन और चित्रांगदा के इस वीडियो पर नेटिजन्स के मजेदार रिएक्शन आ रहे हैं। कुछ यूजर्स नवाजुद्दीन की तारीफ कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं कि उन्होंने एटीट्यूड दिखाया। एक यूजर ने लिखा है, 'चित्रांगदा एटीट्यूड में हैं'। एक यूजर ने लिखा, 'अरे आखिर में चित्रांगदा थीं, उनसे भी मिल लेते'। एक यूजर ने लिखा, 'चित्रांगदा अलग स्टाइल में हैं और नवाजुद्दीन ने पूछा भी नहीं'।

**साथ काम कर चुके हैं चित्रांगदा और रणवीर सिंह**

बता दें कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी और चित्रांगदा सिंह साथ में फिल्म में काम भी कर चुके हैं। दोनों को 'रात अकेली हैः द बंसल मर्डर्स' में देखा गया था। यह फिल्म 19 दिसंबर 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। चित्रांगदा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म 'द बैटल ऑफ गलवां' में नजर आएंगी। यह फिल्म इस साल रिलीज होगी।

## मेड इन कोरिया फिल्म की रिलीज डेट का हुआ ऐलान, इस दिन होगी स्ट्रीम

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने अपनी नई तमिल फिल्म मेड इन कोरिया की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। जानिए कब रिलीज होगी मूवी।

नई तमिल फिल्म मेड इन कोरिया की रिलीज डेट डेट सामने आ गई है। ये नए कॉन्सेप्ट की फिल्म आप जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉरम नेटफ्लिक्स पर देख पाएंगे। यह एक खूबसूरत क्रॉस-कल्चरल कमिंग-ऑफ-एज ड्रामा है, जो तमिलनाडु की एक लड़की के कोरिया जाने के सपने और उसके सफर की कहानी दिखाती है।

**क्या है फिल्म की कहानी?**

फिल्म की कहानी शेनबगम उर्फ शेनबा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार प्रियंका मोहन निभा रही हैं। बचपन से ही शेनबा को कोरियन संस्कृति से खास लगाव होता है। वह कोरिया को सिर्फ दूर से देखने का नहीं, बल्कि उसे जीने का सपना देखती है।

कहानी में ट्विस्ट तब आता है जब वह अचानक सियोल पहुंच जाती है। लेकिन वहां की असल जिंदगी उसके सपनों से काफी अलग निकलती है। चुनौतियों से भरे इस सफर में शेनबा खुद को पहचानती है, मजबूत बनती है और नए रिश्तों से जुड़ती है।

**साउथ कोरिया के पॉपुलर एक्टर भी हैं हिस्सा**

फिल्म के राइटर और डायरेक्टर कार्तिक का कहना है कि वह तमिल और कोरियन संस्कृति के बीच की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक समानताओं से हमेशा प्रभावित रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी जिज्ञासा से उन्हें यह कहानी बनाने की प्रेरणा मिली। उनके मुताबिक, मेड इन कोरिया एक दिल को छू लेने वाली, उम्मीद से भरी और जिंदगी के छोटे-छोटे पलों को खूबसूरती से दिखाने वाली फिल्म है।

## अजय देवगन ने धमाल 4 से अनिल कपूर को किया बाहर? फिल्म का हिस्सा न होने पर खुद अभिनेता ने दी प्रतिक्रिया

धमाल फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म का हिस्सा रहे अनिल कपूर ने धमाल 4 की कास्ट का हिस्सा न होने पर प्रतिक्रिया दी है। जानिए क्या अजय देवगन ने अनिल कपूर को किया फिल्म से बाहर

अभिनेता अनिल कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सूबेदार को लेकर चचाओं में बने हुए हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया, जिसे पसंद किया जा रहा है। बुंदेलखंडी पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में 69 साल के अनिल कपूर एक्शन करते नजर आएंगे। फिल्म के प्रमोशन के दौरान अनिल कपूर ने आगामी कॉमेडी फिल्म धमाल 4 का हिस्सा न होने पर बात की।

**धमाल 4 में न होने पर दी प्रतिक्रिया**

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अनिल कपूर ने निमार्ता-निर्देशकों के साथ अपने रिश्ते को लेकर बात की। इसी दौरान अनिल ने इंद्र कुमार की आगामी फिल्म धमाल 4 से खुद के बाहर होने पर प्रतिक्रिया दी।

मजाकिया अंदाज में इस पूरे मामले पर बात करते हुए एक्टर ने इंद्र कुमार के साथ हुई अपनी बातचीत की नकल करके

दिखाई। अनिल कपूर ने बताया कि मैंने इंद्र कुमार से पूछा, ऐ इंदु! क्या हो गया है? तेरी धमाल 4 में लिया नहीं मुझे पिक्चर में? चलो ठीक है कोई बात नहीं। अजय ने मना किया क्या? तो अपना ये इसी तरह से सबके साथ चलता रहता है।

**धमाल 4 में नजर आएगी ये कास्ट**

धमाल फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म टोटल धमाल में अनिल कपूर भी नजर आए थे। वो इस फिल्म में माधुरी दीक्षित के अपोजिट थे। अब जब फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म धमाल 4 बन रही है, तो इसमें फिल्म की प्रमुख कास्ट अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रितेश देशमुख और अजय देवगन शामिल हैं।

इसके अलावा फिल्म में संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन जैसे नए चेहरों को भी शामिल किया गया। लेकिन अनिल कपूर इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म के 3 जुलाई को रिलीज होने की संभावना है।

**5 मार्च को रिलीज होगी सूबेदार**

अनिल कपूर की आगामी फिल्म सूबेदार की बात करें तो यह एक एक्शन फिल्म है। इसमें अनिल कपूर के साथ मोना सिंह, सौरभ शुक्ला, राधिका मदान और फैसल मलिक प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

यह फिल्म 5 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। सुरेश त्रिवेनी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अनिल कपूर सूबेदार अर्जुन मौर्य की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक रिटायर्ड सैनिक हैं। फिल्म में राधिका मदान उनकी बेटी की भूमिका में हैं।

## भक्ति के रंग में रंगीं नजर आईं पूनम पांडे, प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचीं

पूनम पांडे पर भक्ति और आध्यात्मिकता का रंग चढ़ गया है। अक्सर कंट्रोवर्सी में रहने वाली इस एक्ट्रेस को हाल ही में वृंदावन में देखा गया। वह प्रेमानंद महाराज के आश्रम में भी पहुंचीं। पूनम पांडे का यह बदला हुआ अंदाज देखकर कई सोशल मीडिया यूजर्स हैरान हो गए।

पूनम पांडे का नाम बॉलीवुड में अपने अभिनय को लेकर कम अपनी बोल्ड इमेज और कंट्रोवर्सी को लेकर ज्यादा चर्चा में रहा। लेकिन हाल में वह भक्ति के रंग में रंगीं दिखीं। पूनम पांडे का यह नया रूप देखकर फैंस, सोशल मीडिया यूजर्स दंग रह गए। एक्ट्रेस की वीडियो, फोटो पर नेटिजंस ने हैरान होकर रिएक्शन भी दिए।

**प्रेमानंद महाराज के आश्रम में दिखीं**

सोशल मीडिया पर पूनम पांडे की कुछ तस्वीरें और वीडियो वायरल हैं। जिसमें वह वृंदावन में ई-रिक्शा में बैठी दिखीं। बाद में प्रेमानंद महाराज के आश्रम में भी वह प्रवचन सुनती नजर आईं। आम लोगों के बीच में वह सादगी भरे अंदाज में बैठी थीं।

**मंदिर में रोते हुए वीडियो भी सामने आया**

एक और वायरल वीडियो में पूनम पांडे को वृंदावन के मंदिर में देखा गया। वह भगवान के दर्शन करते हुए भावुक दिखीं। वीडियो में उन्हें रोते हुए देखा जा सकता है। पूनम पांडे के चेहरे पर होली का रंग भी लगा हुआ था। दरअसल, इन दिनों वृंदावन में होली की शुरूआत हो चुकी है।

**सोशल मीडिया यूजर्स ने क्या-क्या रिएक्शन दिए**

कई यूजर्स ने पूनम पांडे में आए इस बदलाव का स्वागत किया। वहीं कुछ लोगों ने मजाक भी बनाया। यूजर्स ने तरह-तरह के रिएक्शन पूनम पांडे को लेकर दिए। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स को लगता है कि वह परेशान हैं, इसलिए वृंदावन आई हैं, जबकि कुछ को यह सब ड्रामा ही लग रहा है।

# अमेरिकन साइको की रीमेक में लीड रोल नहीं निभाना चाहते हाई-प्रोफाइल एक्टर्स, डायरेक्टर ने किया खुलासा

26 साल पहले आई फिल्म अमेरिकन साइको ने दुनिया में धमाल मचा दिया था। अब लूका ग्वाडाग्निनो इस हिट थ्रिलर स्टोरी को नए वर्जन में बनाने वाले हैं। लूका ग्वाडाग्निनो अपने करियर में चैलेंजर्स और कॉल मी बाय योर नेम जैसी शानदार फिल्में बना चुके हैं।

हॉलीवुड स्टार क्रिश्चियन बेल ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं, लेकिन 2000 की थ्रिलर अमेरिकन साइको में उनका पैट्रिक बेटमैन आज भी सबसे शानदार रोल्स में गिना जाता है। इस फिल्म का निर्देशन मैरी हैरन ने किया था और यह ब्रेट ईस्टन एलिस की किताब पर आधारित थी।

**वे क्रिश्चियन बेल के जूतों में कदम नहीं रखना चाहते**

अब इस कल्ट क्लासिक फिल्म के रीइमैजिन वर्जन को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। इस नए प्रोजेक्ट का निर्देशन लूका ग्वाडाग्निनो करने वाले हैं। हाल ही में ब्रेट ईस्टन एलिस ने अपने पॉडकास्ट में खुलासा किया कि कुछ हाई-प्रोफाइल एक्टर्स ने इस नई फिल्म में पैट्रिक बेटमैन का किरदार निभाने का मौका ठुकरा दिया। हालांकि एलिस ने किसी भी एक्टर का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने कहा, शायद वे क्रिश्चियन बेल के जूतों में कदम नहीं रखना चाहते।

दरअसल, बेल ने इस साइकोपैथिक किरदार को इतनी दमदार और आइकॉनिक तरीके से निभाया था कि आज भी उस भूमिका की तुलना उनसे ही की जाती है। ऐसे में कई एक्टर किसी ऐसे किरदार को निभाने से हिचक सकते हैं, जो पहले से ही एक ताकतवर परफॉर्मेंस के साथ जुड़ा हो।

**इन एक्टर्स के नामों पर है चर्चा**

लूका ग्वाडाग्निनो की आने वाली अमेरिकन साइको रीइमैजिनिंग को फ्रेनेसी फिल्म कंपनी प्रोड्यूस कर रही है, जबकि प्रेसमैन फिल्म के सैम प्रेसमैन एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म को लायंसगेट डिस्ट्रिब्यूट करेगा।

हालांकि अभी तक मेकर्स ने लीड एक्टर का आधिकारिक ऐलान नहीं किया है, लेकिन हॉलीवुड में कास्टिंग को लेकर चचाएं तेज हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जैकब एलोर्डी और ऑस्टिन बटलर जैसे नाम पैट्रिक बेटमैन के किरदार के लिए चर्चा में हैं।

अब फैंस की नजर इस बात पर टिकी है कि आखिर कौन सा एक्टर नए वर्जन में पैट्रिक बेटमैन का किरदार निभाएगा, और क्या वह क्रिश्चियन बेल के आइकॉनिक परफॉर्मेंस की बराबरी कर पाएगा।

## लखनऊ में गूंजा बिजुरिया फिल्म का नाम, भव्य अंदाज में हुआ टीजर लॉन्च

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आज भारत की पहली एआई-लाइव एक्शन संयुक्त महिला सुपरहीरो फिल्म बिजुरिया का आधिकारिक टीजर लॉन्च भव्य रूप से संपन्न हुआ। यह फिल्म एक साधारण लड़की दिव्या की असाधारण यात्रा की कहानी है, जो आत्मविश्वास की कमी और सामाजिक भेदभाव से जूझते हुए अपनी पहचान तलाशती है। फिल्म उन महिलाओं की हकीकत को उजागर करती है, जो रोजाना उत्पीड़न और भेदभाव का सामना करती हैं। कहानी में दिव्या की मुलाकात तेज नाम की एक बहादुर और वैज्ञानिक सोच रखने वाली युवती से होती है, जो उसकी जिंदगी बदल देती है। यह मुलाकात दिव्या को एक अनोखी सुपरहीरो में परिवर्तित कर देती है, जो समाज में व्याप्त कुरीतियों और अपराध के खिलाफ खड़ी होती है तथा महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश करती है। फिल्म के निर्देशक शारिब रजा ने बताया कि ह्लबिजुरियाह्व महिला सशक्तिकरण को एक नए और आधुनिक अंदाज में प्रस्तुत करेगी। उन्होंने कहा कि एआई तकनीक और लाइव-एक्शन के संयोजन से यह फिल्म भारतीय सिनेमा में एक नई दिशा स्थापित करेगी। फिल्म में मुख्य भूमिका लखनऊ की प्रतिभाशाली अभिनेत्री कंचन अवस्थी निभा रही हैं। थिएटर से अपने अभिनय करियर की शुरूआत करने वाली कंचन ने गन वाली दुल्हनिया, भूत वाली लव स्टोरी, चापेकर ब्रदर्स तथा टीवी सीरियल अम्मा में अपनी दमदार अदाकारी से पहचान बनाई है। कंचन ने कहा कि ह्लबिजुरियाह्व उनके करियर की सबसे अलग और खास फिल्म है।

# ट्रंप की बढ़ेगी परेशानी, टैरिफ से वसूली गई रकम वापस करने की मांग को लेकर डेमोक्रेट्स ने खोला मोर्चा

**वॉशिंगटन।** सुप्रीम कोर्ट द्वारा टैरिफ को अवैध घोषित करने के बाद अब टैरिफ में मिली रकम को वापस करने की मांग पर घमासान शुरू हो गया है। डेमोक्रेटिक सांसदों ने एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें टैरिफ रिफंड करने की मांग की गई है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप सरकार के टैरिफ को अवैध बताने के बाद अब सवाल उठ रहा है कि ट्रंप प्रशासन ने अभी तक जो 175 अरब डॉलर टैरिफ से वसूले हैं, उन्हें क्या वापस किया जाएगा? अब विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने इस टैरिफ को वापस करने की मांग को लेकर ट्रंप सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सीनेट के तीन डेमोक्रेट सांसदों ने सरकार से लगभग 175 अरब अमेरिकी डॉलर की टैरिफ आय वापस करने की मांग की है। प्रस्ताव में क्या है ओरेगन के सीनेटर रॉन वाइडन, मैसाचुसेट्स के एड मार्की और न्यू हैम्पशायर की जीन शहीन ने सोमवार को एक विधेयक

पेश किया। इस विधेयक के तहत अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन को 180 दिनों के भीतर रिफंड जारी करना होगा और लौटाई जाने वाली राशि पर ब्याज भी देना होगा। प्रस्ताव में छोटे व्यवसायों को प्राथमिकता देने की मांग की गई है और आयातकों, थोक विक्रेताओं तथा बड़ी कंपनियों से अपील की गई है कि वे यह राशि अपने ग्राहकों तक पहुंचाएं। वाइडन ने कहा, 'ट्रंप के अवैध टैरिफ ने अमेरिकी परिवारों, छोटे व्यवसायों और उत्पादकों को गहरी क्षति पहुंचाई है, जो नए-नए टैरिफ की मार झेलते रहे हैं।' उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समस्या के समाधान की सबसे पहली कड़ी यह है कि जितनी जल्दी हो सके छोटे व्यवसायों और निमार्ताओं की जेब में पैसा वापस डाला जाए। हालांकि इस विधेयक के पारित होने की संभावना कम है, लेकिन इससे यह संकेत मिलता है कि डेमोक्रेट्स अब ट्रंप प्रशासन पर सार्वजनिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाया था, लेकिन ट्रंप प्रशासन टैरिफ राजस्व लौटाने में खास दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। आगामी नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले डेमोक्रेट्स जनता से कह रहे हैं कि ट्रंप ने अवैध रूप से कर बढ़ाए और अब अमेरिकी लोगों को वह पैसा लौटाने से इनकार कर रहे हैं। शहीन ने कहा कि टैरिफ के कारण बढ़ी कीमतों से हुए नुकसान की भरपाई की शुरूआत राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अवैध रूप से वसूले गए टैरिफ करों की वापसी से होनी चाहिए। वहीं मार्की ने कहा कि छोटे व्यवसायों के पास बहुत कम या कोई संसाधन नहीं होते और रिफंड की प्रक्रिया उनके लिए बेहद जटिल और समय लेने वाली हो सकती है। ट्रंप प्रशासन ने कहा- उनके हाथ बंधे हुए हैं ट्रंप प्रशासन का कहना है कि उसके हाथ बंधे हुए हैं, क्योंकि किसी भी रिफंड का फैसला आगे की अदालती कार्यवाही के जरिए ही होना चाहिए। जब व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई से पूछा गया कि क्या ट्रंप मानते हैं कि कांग्रेस को रिफंड प्रक्रिया में भूमिका निभानी चाहिए, तो उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ के जरिए वह कर दिखाया, जिसकी बात डेमोक्रेट्स सिर्फ करते रहे। इसलिए स्वाभाविक है कि डेमोक्रेट्स राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी जनता को कमजोर करने के लिए सक्रिय हो रहे हैं। यह दयनीय है, लेकिन इसमें हैरानी भी नहीं होनी चाहिए।

# वे क्या छिपा रहे हैं? आधी रात को इमरान खान को अस्पताल ले जाए जाने पर परिवार ने जताई चिंता

**इस्लामाबाद।** इमरान खान की खराब सेहत पर उनके परिजनों ने चिंता जताई है। सोमवार रात इमरान खान को अस्पताल ले जाया गया, जिस पर पीटीआई समर्थकों में चिंता है। इमरान खान की बहन ने बयान जारी कर सरकार पर निशाना साधा है। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी के मुखिया और पूर्व पीएम इमरान खान की सेहत को लेकर चिंताजनक खबरें सामने आ रही हैं। मंगलवार को उस वक्त हंगामा हो गया, जब ये खबर सामने आई कि इमरान खान को सोमवार देर रात अस्पताल ले जाया गया। उन्हें पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएच) ले जाया गया। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि उन्हें इंजेक्शन लगाने के लिए लाया गया था। इस पर इमरान खान के

परिवार ने चिंता जाहिर की है। इमरान खान की बहन ने जताई नाराजगी खबरों से हमें पता चला कि इमरान खान को आधी रात को फिर से पीआईएमएस ले जाया गया, शायद आंख में दूसरा इंजेक्शन लगवाने के लिए। लेकिन जब कानून के मुताबिक किसी कैदी की कोई भी चिकित्सीय प्रक्रिया करने से पहले परिवार को बताना जरूरी है, तो परिवार को क्यों नहीं बताया गया? हमें सरकारी मेडिकल सुविधाओं से मिलने वाली टेस्ट रिपोर्ट पर भरोसा नहीं है। पहले ही ऐसी खबरें आ रही हैं कि पीआईएमएस के डॉक्टरों को इमरान खान के बारे में कोई भी जानकारी लीक होने पर गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दी जा रही है। वे क्या छिपा रहे हैं? हम अपनी मांग पर अड़े हैं कि इमरान खान की शिफा इंटरनेशनल (इस्लामाबाद) में स्पेशलिस्ट द्वारा, इमरान खान के निजी डॉक्टरों की देखरेख में और उनके परिवार की मौजूदगी में जांच और इलाज किया जाए। इमरान खान की आंख में जो कथित बीमारी हुई है, पीआईएमएस में उसका इलाज नहीं हो सकता है। यह सरकार जो कर रही है वह अपराध है, और वे इमरान खान के खिलाफ किए गए हर उल्लंघन और अपराध के लिए जवाबदेह होंगे।

# कनाडाई ढट कार्नी के भारत दौरे से पहले कनाडा का सख्त कदम, तहव्वुर राणा की नागरिकता रद्द करने की तैयारी

**ओटावा।** कनाडा सरकार ने मुंबई 26/11 हमले के आरोपी तहव्वुर राणा की नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की है। सरकार का कहना है कि राणा ने नागरिकता आवेदन में गलत जानकारी दी थी। मामला अब फेडरल कोर्ट में है। यह कदम कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की प्रस्तावित भारत यात्रा से पहले उठाया गया है। भारत दौरे से पहले कनाडा सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान मूल के कारोबारी तहव्वुर राणा की कनाडाई नागरिकता रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। राणा पर 2008 के मुंबई आतंकी हमले में अहम भूमिका निभाने का आरोप है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हो रही है, जब कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की भारत यात्रा प्रस्तावित है। राणा

64 वर्ष का है और 1997 में कनाडा गया था। उसने 2001 में कनाडाई नागरिकता हासिल की थी। वह 26/11 हमले के मुख्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी माना जाता है। अप्रैल 2025 में उसे अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। नई दिल्ली पहुंचते ही राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। नागरिकता रद्द करने की वजह कनाडा के आव्रजन विभाग ने साफ किया है कि राणा की नागरिकता आतंकवाद के आरोप में नहीं, बल्कि गलत जानकारी देने के आधार पर रद्द की जा रही है। विभाग के मुताबिक, राणा ने अपने आवेदन में झूठ बोला था। उसने दावा किया था कि वह चार साल तक ओटावा और टोरंटो में रहा और सिर्फ छह दिन देश से बाहर गया। जांच में खुलासा रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस की जांच में सामने आया कि राणा उस अवधि में ज्यादातर समय शिकागो में था। वहां उसके कई कारोबार और संपत्तियां थीं। जांच एजेंसियों ने इसे गंभीर और जानबूझकर किया गया धोखा बताया। विभाग ने कहा कि इस गलत जानकारी के कारण उसे नागरिकता मिल गई, जबकि वह पात्र नहीं था। मामला फेडरल कोर्ट में कनाडा सरकार ने इस मामले को फेडरल कोर्ट में भेज दिया है। अंतिम फैसला अदालत ही करेगी। राणा के वकील ने इस फैसले को चुनौती दी है और कहा है कि यह उसके अधिकारों का उल्लंघन है। पिछले सप्ताह इस मामले में सुनवाई भी हुई। सरकार ने अदालत से कुछ संवेदनशील राष्ट्रीय सुरक्षा जानकारी सार्वजनिक न करने की अनुमति मांगी है। आव्रजन विभाग ने कहा कि नागरिकता रद्द करना आसान फैसला नहीं होता, लेकिन कानून की साख बनाए रखना जरूरी है। विभाग के अनुसार, पिछले दस वर्षों में ऐसे बहुत कम मामले सामने आए हैं। अब फेडरल कोर्ट तय करेगा कि राणा ने नागरिकता धोखे से हासिल की या नहीं।

# चुनाव आयोग ने मतदान के बाद 24 घंटे में नतीजे घोषित करने का किया वादा

**नेपाल।** नेपाल में कुछ दिनों में आम चुनाव होने वाले हैं। इसी बीच चुनाव आयुक्त ने वादा किया है कि मतदान के 24 घंटे में नतीजे घोषित किया जाएगा। लखीमपुर खीरी नेपाल में 5 मार्च को आम चुनाव होने वाले हैं। इस बीच नेपाल के कार्यवाहक मुख्य चुनाव आयुक्त राम प्रसाद भंडारी ने सोमवार को कहा कि आम चुनाव के परिणाम मतपेटियों को एकत्र करने के 24 घंटे के भीतर प्रकाशित कर दिए जाएंगे। कुल 18.9 मिलियन पात्र मतदाता प्रतिनिधि सभा के 275 सदस्यों को चुनने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जहां 165 सांसदों का चुनाव प्रत्यक्ष मतदान के माध्यम से होगा। वहीं 110 सांसदों का चुनाव आनुपातिक मतदान प्रणाली के तहत होगा, जो संसद में अल्पसंख्यकों और छोटे दलों के प्रतिनिधित्व की अनुमति देता है। तुरंत वोटों की गिनती शुरू करने की योजना भंडारी ने एक निजी

समाचार एजेंसी को बताया कि चुनाव आयोग मतपेटियों को एकत्र करने के तुरंत बाद वोटों की गिनती शुरू करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के तहत परिणाम घोषित करने में एक या दो दिन लग सकते हैं, जबकि प्रत्यक्ष मतदान या फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट (एफपीटीपी) प्रणाली के परिणाम मतपत्र संग्रह के 24 घंटों के भीतर घोषित कर दिए जाएंगे। आनुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) प्रणाली के तहत देश भर में राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त कुल वोटों के आधार पर प्रतिनिधि सभा के 275 सदस्यों में से 110 सदस्यों का चुनाव किया जाता है। मतदाता प्रत्येक दल के लिए अलग-अलग मतपत्र डालते हैं। प्रत्येक दल को प्राप्त वोटों के अनुपात में सीटें आवंटित की जाती हैं। दलों को अपने पीआर उम्मीदवारों की सूची में महिलाओं और दलितों, जनजातियों, मधेसियों और अल्पसंख्यकों जैसे हाशिए पर पड़े समूहों को शामिल करना सुनिश्चित करना होता है। इस प्रणाली का उद्देश्य संसद को नेपाल की सामाजिक और जातीय विविधता का अधिक प्रतिनिधित्व प्रदान करना है। 72 घंटे पहले नेपाल-भारत सीमा को सील चुनाव आयोग के प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टराई ने कहा कि काठमांडू घाटी के बाहर के क्षेत्रों में मतपत्रों का वितरण पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि काठमांडू, भक्तपुर और ललितपुर जिलों के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में मतपत्रों का वितरण मंगलवार रात तक पूरा हो जाएगा। 5 मार्च को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। आयोग ने राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को 16 फरवरी से 2 मार्च तक प्रचार करने की अनुमति दी है। प्रचार गतिविधियों पर रोक का समय 2 मार्च की मध्यरात्रि से शुरू होगा। अधिकारियों ने बताया कि मतदान शुरू होने से 72 घंटे पहले नेपाल-भारत सीमा को सील कर दिया जाएगा।

# बांग्लादेश में पुलिस के ड्रग विरोधी अभियान के दौरान भड़की हिंसा

**ढाका।** बांग्लादेश में नई सरकार का गठन हो चुका है और वह सत्ता भी संभाल चुकी है, लेकिन अभी भी बांग्लादेश में हिंसा नहीं थम रही है। राजधानी ढाका में पुलिस के एक अभियान के दौरान हिंसा भड़क गई, जिसमें छात्र, पत्रकार और पुलिकर्मी घायल हुए हैं। बांग्लादेश में पुलिस के ड्रग विरोधी अभियान के तहत हिंसा भड़क गई। इस हिंसा में पत्रकार और कई छात्र घायल हो गए हैं। हिंसा के दौरान पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। दरअसल राजधानी ढाका स्थित सुहरावर्दी उद्यान में पुलिस ड्रग विरोधी अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस और छात्रों के बीच झड़प हो गई। ढाका के रमना जोन के डिप्टी कमिश्नर मसूद के मुताबिक, सोमवार शाम को ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के रमना जोन ने यह ऑपरेशन शुरू

किया था, जिसमें सात से आठ लोगों को हिरासत में लिया गया और करीब 60 से 70 पुलिसवालों को तैनात किया गया। घायलों में पत्रकार, छात्र और पुलिसकर्मी शामिल बांग्लादेश के अखबार ढाका ट्रिब्यून ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा कि लोगों को गिरफ्तार नहीं किया गया है और अभियान का मकसद बस उन्हें डराने का था। हिंसा में घायलों की पहचान स्थानीय पत्रकार कवसर अहमद रिपन, तोफायेल अहमद, ढाका यूनिवर्सिटी के छात्र नईम उद्दीन और एक पुलिस कांस्टेबल के तौर पर हुई है। पत्रकार रिपन ने बताया, पुलिस ने शुरू में उनके साथी तोफायेल पर हमला किया, और जब उन्होंने बीच-बचाव किया तो उन्हें भी पीटा गया। रिपन ने कहा, 'मैं दौड़कर गया और पूछा कि वे उसे क्यों मार रहे हैं, तो उन्होंने मेरा फोन छीन लिया और मुझे भी मारना शुरू कर दिया।' इस बीच, एक वीडियो फुटेज भी सामने आया जिसमें ढाका यूनिवर्सिटी के छात्र नईम उद्दीन को बहस के बाद पुलिस वाले पीटते हुए देखे जा सकते थे। नईम ने कहा कि वह और उसके दोस्त पार्क में 'बहु-भाषार संध्या' नाम के एक समारोह पर बात कर रहे थे और बाहर निकलते समय पुलिस से उनका सामना हुआ। उन्होंने कहा, 'उन्हें हमारे पास कुछ नहीं मिला, फिर हमारी उनसे बहस हो गई। जब वह बातचीत चल ही रही थी, तो उनमें से एक ने अचानक मुझे पकड़ लिया और अंदर खींचकर पीटा, और मेरे साथ मौजूद दोस्त को भी पीटा गया।' नईम ने आगे आरोप लगाया कि पुलिस ने उसका फोन जब्त कर लिया और उसे लंबे समय तक पुलिस स्टेशन में बिठाए रखा। इस दौरान उसे किसी से बात नहीं करने दी गई। पुलिस का आरोप- ये लोग नशा कर रहे थे बांग्लादेशी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने ड्रग विरोधी अभियान को एक सामान्य कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा, 'यह ड्रग्स के खिलाफ है। रात के 8 या 9 बजे तक, आस-पास कोई नहीं होता—ये लोग घने अंधेरे जंगल में बैठे होते हैं। इस तरह का ऑपरेशन आमतौर पर चलता है; आज का ऑपरेशन बस थोड़ा बड़ा था।' मसूद ने कहा कि पुलिसकर्मियों को यूनिवर्सिटी छात्रों का एक समूह मिला जो कथित तौर पर गांजा पी रहे थे। उन्होंने कहा कि उनमें से एक ने खुद को ढाका यूनिवर्सिटी का छात्र बताया, जिसके बाद दोनों में बहस हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने आगे कहा कि इस दौरान एक कांस्टेबल की आंख के ऊपर एक नुकीली चीज से हमला किया गया, जिससे गहरा घाव हो गया। पत्रकारों से जुड़े आरोपों पर बात करते हुए, मसूद ने कहा कि अधिकारियों को पता नहीं था कि उनमें से कोई व्यक्ति पत्रकार है।

# विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी ने जयशंकर का जताया आभार

**टोक्यो।** जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी ने दोबारा नियुक्ति पर बधाई देने के लिए भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर का आभार जताया है। दोनों नेताओं ने 'फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक' और द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने पर जोर दिया। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी ने मंगलवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर को इस पद पर उनकी दोबारा नियुक्ति पर बधाई संदेश के लिए धन्यवाद दिया। मोटेगी ने कहा कि वह भारत के साथ रिश्तों को मजबूत करने और फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक (एफओआईपी) को साकार करने की उम्मीद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर साझा किया संदेश जापान के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मोटेगी का बयान साझा किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'मैं अपनी दोबारा नियुक्ति पर आपके बधाई संदेश की सराहना करता हूं। मैं द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और एक फ्री एंड ओपन इंडो-पैसिफिक को साकार करने के लिए आपके साथ लगातार काम करने की उम्मीद करता हूं।' यह बयान विदेश मंत्री जयशंकर के उस संदेश के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने मोटेगी को बधाई दी थी। जयशंकर ने लिखा था कि 'जापान के विदेश मंत्री के तौर पर तोशिमित्सु मोटेगी को दोबारा नियुक्त होने पर बधाई। हमारी स्पेशल स्ट्रेटेजिक और ग्लोबल पार्टनरशिप को आगे बढ़ाने के लिए साथ मिलकर काम करने का इंतजार रहेगा।' पीएम मोदी ने सनाए ताकाइची को दी थी बधाई इससे पहले आठ फरवरी को जापान में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के चुनाव हुए थे। इसमें जीत हासिल करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सनाए ताकाइची को बधाई दी थी। पीएम मोदी ने भरोसा जताया कि ताकाइची के नेतृत्व में भारत और जापान की दोस्ती नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगी। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि दोनों देशों की साझेदारी वैश्विक शांति, स्थिरता और खुशहाली के लिए अहम है। इसके जवाब में सनाए ताकाइची ने पीएम मोदी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि वह भारत

के साथ मिलकर काम करना जारी रखना चाहती हैं ताकि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और मजबूत हो सके। जापान में एलडीपी की ऐतिहासिक जीत जापान की सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने इन चुनावों में बड़ी जीत हासिल की है। जापान की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पार्टी ने 465 सदस्यों वाले निचले सदन में 310 सीटें जीतकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया है। युद्ध के बाद यह पहली बार है जब किसी पार्टी ने यह आंकड़ा पार किया है। रणनीतिक वार्ता में हुई थी अहम चर्चा दोनों देशों के बीच कूटनीतिक गतिविधियां लगातार जारी हैं। इससे पहले 16 जनवरी को नई दिल्ली में 18वीं भारत-जापान रणनीतिक वार्ता हुई थी। इसकी अध्यक्षता एस. जयशंकर और तोशिमित्सु मोटेगी ने मिलकर की थी। इस बैठक में अर्थव्यवस्था, समुद्री सुरक्षा, सप्लाई चेन, जरूरी मिनरल, तकनीक और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई थी।

# भारत आ रहे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी: पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

**नई दिल्ली।** कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी इस हफ्ते भारत का दौरा करेंगे। अपने दौरे की शुरूआत में कार्नी गुरुवार को मुंबई पहुंचेंगे, जहां वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बड़े उद्योगपतियों के साथ बातचीत करेंगे। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी इस हफ्ते भारत आ रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका के साथ कनाडा के व्यापारिक संबंधों में तनाव बना हुआ है। प्रधानमंत्री कार्नी गुरुवार को मुंबई पहुंचेंगे। यहां वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है क्योंकि पिछले कुछ समय से दोनों देशों के रिश्तों में खटास चल रही है। अमेरिका पर निर्भरता कम करने का लक्ष्य भारत दौरे से पहले मार्क कार्नी ने कहा, ₹एक अनिश्चित दुनिया में कनाडा उन चीजों पर ध्यान दे रहा है जिन्हें हम नियंत्रित कर सकते हैं। हम अपने व्यापार को अलग-अलग देशों में फैला रहे हैं और बड़े पैमाने पर नया निवेश आकर्षित कर रहे हैं।₹ उनका लक्ष्य अगले दशक में अमेरिका के अलावा दूसरे देशों के साथ कनाडा के निर्यात को दोगुना करना है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार कनाडा की अर्थव्यवस्था पर टैरिफ लगाने की धमकी देते रहे हैं। हाल ही में ट्रंप ने कनाडा से आयात होने वाले सामान पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

# अमेरिका में बफीर्ले तूफान का कहर, 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द कई राज्यों में आपातकाल घोषित

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका के उत्तरपूर्वी हिस्से में भीषण बफीर्ले तूफान ने जनजीवन ठप कर दिया है। 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी हैं और लाखों लोग घरों में कैद हैं। न्यूयॉर्क, बोस्टन और फिलाडेल्फिया जैसे शहरों में आपातकाल घोषित है। बिजली कटौती और भारी बर्फबारी के बीच प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है। अमेरिका के उत्तरपूर्वी हिस्से में एक शक्तिशाली बफीर्ले तूफान ने कहर बरपाया है। मैरीलैंड से लेकर मेन तक के इलाके भारी बर्फ की चादर में ढक गए हैं। इस भीषण मौसम के कारण शनिवार से मंगलवार के बीच 10,000 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। अकेले सोमवार को 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं और मंगलवार के लिए 1,300 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द कर दी गई हैं, जिससे हजारों यात्री फंस गए हैं। न्यूयॉर्क के जेएफके, लागुआर्डिया और बोस्टन के लोगान एयरपोर्ट सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। दिल्ली-एनसीआर मौसम वैज्ञानिकों ने इसे एक दशक का सबसे शक्तिशाली तूफान बताया है, जिसे 'बम चक्रवात' कहा जा रहा है। 'बम चक्रवात तब होता है जब 24 घंटे की अवधि में तूफान का दबाव एक निश्चित मात्रा में गिर जाता है। यह मुख्य रूप से शरद ऋतु और सर्दियों में होता है जब आर्कटिक की बफीर्ली हवा दक्षिण तक पहुंचकर गर्म तापमान से टकराती है।' कई इलाकों में दो फीट (60 सेंटीमीटर) से ज्यादा बर्फबारी हुई है। रोड आइलैंड के वारविक में तो तीन फीट से ज्यादा बर्फ गिरी है। तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स समेत कई राज्यों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। तूफान का असर इतना ज्यादा है कि संयुक्त राष्ट्र को अपनी सुरक्षा परिषद की बैठक स्थगित करनी पड़ी और मुख्यालय बंद करना पड़ा।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।